फाल्गुन शुक्ल - 2 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 226 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 12-03-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 यह चुनाव काम करने वाले और काम नहीं करने वालों के बीच : राजीव चंद्रशेखर

6 सावित्री बाई फुले : भारतवर्ष में नारी शिक्षा की प्रणेता

7 लोकसभा चुनाव महाभारत की तरह अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई : नकवी

BSE	NSE
73,502.64	22,332.65
(-616.75)	(-160.90)

सोना	चांदी
6,599 रु.	74,175 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सीएए की साख

अपराध सिर्फ इतना सा था,
कुछ लोगों के थे कलुषित मन।
दर-दर भटके बेगाने हो,
अभिशप्त बना जिनका जीवन।
जो रहे प्रताड़ित उनको अब,
अधिकार मिलेगा कानूनन।
जो विस्थापित अपने घर से,
वो होंगे भारतवासी जन।।

देश में सीएए लागू, केंद्र ने की घोषणा

- **पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आने वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने का रास्ता साफ**
- **सीएए को दिसंबर, 2019 में संसद में पारित किया गया था और बाद में इसे राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई थी।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सोमवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए)-2019 को लागू करने की घोषणा की। विवादास्पद कानून को पारित किये जाने के चार साल बाद केंद्र के इस कदम के कारण पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आने वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने का रास्ता साफ हो गया है।

लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की संभावित घोषणा के पहले ही सीएए से जुड़े नियमों को अधिसूचित कर दिया गया।

सीएए के नियम जारी हो जाने के साथ ही अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार इन तीन देशों के प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों (हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई) को भारतीय नागरिकता देना शुरू कर देगी।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक और प्रतिबद्धता पूरी की है और संविधान निर्माताओं के वादे को साकार किया है।

गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, ''नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 कहे जाने वाले ये नियम सीएए-2019 के तहत पात्र व्यक्तियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाएंगे।'' प्रवक्ता ने कहा, ''आवेदन पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में जमा किए जाएंगे जिसके लिए एक वेब पोर्टल उपलब्ध कराया गया है।'' एक अधिकारी ने कहा कि आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा।

सीएए को दिसंबर, 2019 में संसद में पारित किया गया था और बाद में इसे राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई थी। लेकिन इसके खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गये थे।

यह कानून अब तक लागू नहीं हो सका था क्योंकि इसके कार्यान्वयन के लिए नियमों को अब तक अधिसूचित किया जाना बाकी था। ये नियम अब पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक आधार पर प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को हमारे देश में नागरिकता प्राप्त करने में सक्षम बनाएंगे। शाह ने 'एक्स' पर कहा, ''इस अधिसूचना के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक और प्रतिबद्धता पूरी की है और उन देशों में रहने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों के लिए हमारे संविधान के निर्माताओं के वादे को साकार किया है।''

इस अधिसूचना के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक और प्रतिबद्धता पूरी की है और उन देशों में रहने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों के लिए हमारे संविधान के निर्माताओं के वादे को साकार किया है। – अमित शाह

नियमों की अधिसूचना जारी करने के लिए नौ बार अवधि में विस्तार की मांग करने के बाद चुनाव से ठीक पहले का समय स्पष्ट रूप से चुनावों में ध्रुवीकरण करने के लिए तय किया गया है, खासकर पश्चिम बंगाल और असम में। – जयराम रमेश

सीएए नहीं छीनेगा किसी भारतीय की नागरिकता

नई दिल्ली/भाषा। संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए), 2019 किसी भी भारतीय की नागरिकता नहीं छीनेगा, चाहे वह किसी भी धर्म का क्यों न हो। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सीएए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न के चलते 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में शरण लेने वालों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान करता है। नागरिकता अधिकार उनकी सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक पहचान की रक्षा करेगा तथा यह आर्थिक, वाणिज्यिक, मुक्त आवाजाही और संपत्ति खरीदने का अधिकार भी सुनिश्चित करेगा। उत्पीड़ित छह समुदायों में हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि यह कानून पुनर्वास के लिए कानूनी बाधाओं को दूर करेगा और नागरिकता प्रदान कर दशकों से पीड़ित शरणार्थियों के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करेगा।

‘मिशन दिव्यास्त्र’ का सफल परीक्षण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैज्ञानिकों को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि ‘मल्टीपल इंडिपेंडेंट टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल ’(एमआईआरवी) प्रौद्योगिकी के साथ स्वदेश विकसित अग्नि-5 मिसाइल का पहला सफल उड़ान परीक्षण संपन्न हुआ और इसके लिए उन्होंने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

मोदी ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, मिशन दिव्यास्त्र के लिए हमारे डीआरडीओ वैज्ञानिकों पर गर्व है, मल्टीपल इंडिपेंडेंट टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) प्रौद्योगिकी के साथ स्वदेश विकसित अग्नि -5 मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण। एमआईआरवी प्रौद्योगिकी के तहत किसी मिसाइल में एक ही बार में कई परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता होती है और इन हथियारों से अलग-अलग लक्ष्यों को भेदा जा सकता है। इसकी एक अन्य विशेषता यह है कि इसे सड़क के माध्यम से कहीं भी ले जाया जा सकता है। इससे पहले की अग्नि मिसाइलों में यह सुविधा नहीं थी। सूत्रों ने कहा कि ‘मिशन दिव्यास्त्र’ के परीक्षण के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास एमआईआरवी क्षमता है। यह सुनिश्चित करेगा कि एक ही मिसाइल विभिन्न स्थानों पर कई आयुध तैनात कर सके। सूत्रों ने बताया कि परियोजना निदेशक एक महिला हैं और इसमें महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। हथियार प्रणाली स्वदेशी एवियोनिक्स सिस्टम और उच्च सटीकता वाले सेंसर पैकेज से लैस है। यह क्षमता भारत के बढ़ते प्रौद्योगिकीय कौशल का भी प्रतीक है। अग्नि-5 की मारक क्षमता 5,000 किलोमीटर है और इसे देश की दीर्घकालिक सुरक्षा जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया है।

यह मिसाइल चीन के उत्तरी हिस्से के साथ-साथ यूरोप के कुछ क्षेत्रों सहित लगभग पूरे एशिया को अपनी मारक सीमा के तहत ला सकती है। अग्नि 1 से 4 मिसाइलों की रेंज 700 किमी से 3,500 किमी तक है और पहले ही तैनात की जा चुकी हैं। भारत पृथ्वी की वायुमंडलीय सीमाओं के भीतर और बाहर दुश्मन देशों की बैलिस्टिक मिसाइल को भेदने की क्षमताएं विकसित कर रहा है।

सीबीआई ने शाहजहां शेख के नौ करीबी सहयोगियों को समन भेजा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित नेता शाहजहां शेख के नौ करीबी सहयोगियों को समन भेज कर जांच एजेंसी के सामने सोमवार को पेश होने के लिए कहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी को संदेह है कि ये नौ व्यक्ति कथित तौर पर पांच जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हुए हमले में शामिल थे और जब वे (अधिकारी) पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में शेख के परिसरों में छापेमारी करने गए थे तो (जांच एजेंसी की) टीम को निशाना बनाने के लिए उन्होंने भीड़ को उकसाया था। अधिकारियों ने बताया कि शेख 14 मार्च तक सीबीआई की हिरासत में है और हमले में उसकी भूमिका की जांच जारी है।

सीबीआई ने पांच जनवरी को ईडी अधिकारियों पर हुए हमले से संबंधित तीन मामलों की जांच अपने हाथ में ली है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर लगभग 1000 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया, जब वे कथित राशन वितरण घोटाले के मामले में शेख के परिसर में छापेमारी के लिए गए थे।

मानहानि मामले में न्यायालय ने केजरीवाल से पूछा - क्या वह माफी मांगना चाहते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछा कि क्या वह आपराधिक मानहानि के मामले में शिकायतकर्ता से माफी मांगना चाहते हैं। केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है, जिसमें उन्हें मामले में आरोपी के तौर पर जारी समन को बरकरार रखा है।

मुख्यमंत्री ने 26 फरवरी को शीर्ष न्यायालय को बताया था कि उन्होंने भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ से संबद्ध ‘यूट्यूबर’ ध्रुव राठी द्वारा प्रसार किए गए कथित अपमानजनक वीडियो को रीट्वीट कर गलती की थी। सोमवार को सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ से, शिकायतकर्ता विकास सांकृत्यायन की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि केजरीवाल ‘एक्स’ या ‘इंस्टाग्राम’ जैसे सार्वजनिक मंच पर माफी मांग सकते हैं। पीठ ने वकील से कहा, आप हमें बताइए कि आप क्या चाहते हैं। हम इसे दूसरे पक्ष के समक्ष रख सकते हैं। न्यायालय ने कहा कि शिकायतकर्ता माफीनामे का प्रारूप केजरीवाल को दे सकते हैं। पीठ ने केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा, इसलिए, यदि आप माफी मांगना चाहते हैं तो अपने अधिकारों और दलीलों के पूर्वाग्रह के बिना इसका प्रसार कर सकते हैं।

भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करे एएसआई : मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने सोमवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को निर्देश दिया कि वह धार जिले के विवादास्पद भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करे। एएसआई के संरक्षित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को हिन्दू वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर मानते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला की मस्जिद बताता है। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति एस.ए. धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्र ने सभी संबद्ध पक्षों की दलीलों पर गौर करने के बाद जारी आदेश में कहा, इस अदालत ने केवल एक निष्कर्ष निकाला है कि भोजशाला मंदिर-सह-कमाल मौला मस्जिद परिसर का जल्द से जल्द वैज्ञानिक सर्वेक्षण और अध्ययन कराना एएसआई का संवैधानिक और कानूनी दायित्व है। युगल पीठ ने यह निर्देश ‘हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस’ नामक संगठन की याचिका मंजूर करते हुए दिया।

अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनकर इस याचिका पर अपना फैसला 19 फरवरी को सुरक्षित रख लिया था। 11 मार्च (सोमवार) को यह फैसला सुनाया गया। युगल पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल को तय की। एएसआई के सात अप्रैल 2003 को जारी आदेश के अनुसार जारी व्यवस्था के मुताबिक हिंदुओं को प्रत्येक मंगलवार भोजशाला में पूजा करने की अनुमति है, जबकि मुस्लिमों को हर शुक्रवार इस जगह नमाज अदा करने की इजाजत दी गई है। एएसआई के करीब 21 साल पुराने आदेश को चुनौती देते हुए ‘हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस’ की ओर से अदालत में कहा गया कि यह फरमान भोजशाला परिसर की वैज्ञानिक जांच के बगैर जारी किया गया था और नियम-कायदों के मुताबिक किसी भी मंदिर में नमाज अदा किए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। एएसआई की ओर से उच्च न्यायालय में बहस के दौरान कहा गया कि उसने 1902 और 1903 में भोजशाला परिसर की स्थिति का जायजा लिया था और इस परिसर की वैज्ञानिक जांच की मौजूदा गुहार को लेकर उसे कोई भी आपत्ति नहीं है। मुस्लिम समुदाय भोजशाला परिसर को कमाल मौला की मस्जिद बताता है।

मेरा तीसरा कार्यकाल नारी शक्ति के उत्कर्ष का नया अध्याय लिखेगा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उनकी संवेदनाएं और योजनाएं जमीन से जुड़े अनुभवों से निकली हैं जो नारी शक्ति के जीवन को आसान बना रही हैं और उनका तीसरा कार्यकाल नारी शक्ति के उत्कर्ष का नया अध्याय लिखेगा। प्रधानमंत्री ने राजधानी दिल्ली के पूसा स्थित राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान में ’सशक्त नारी-विकसित भारत’ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि जब भी वह महिलाओं के कल्याण की बात करते हैं, विपक्षी दल उसे उन्हें गाली देने के अवसर के रूप में उपयोग करता है।

इस अवसर पर उन्होंने ‘नमो ड्रोन दीदियों’ की ओर से कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग का प्रदर्शन देखा और 1,000 से अधिक ‘नमो ड्रोन दीदियों’ को ड्रोन सौंपे। कार्यक्रम के दौरान कुछ ‘ड्रोन दीदियों’ से संवाद करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, मोदी की संवेदनाएं और मोदी की योजनाएं जमीन से जुड़े जीवन के अनुभवों से निकली हैं। बचपन में जो अपने घर में देखा, अपने आस-पड़ोस में देखा, फिर देश के गांव-गांव में अनेक परिवारों के साथ रहकर जो अनुभव किया, वही आज मोदी की संवेदनाओं और योजनाओं में झलकता है। उन्होंने कहा कि इसलिए ये योजनाएं नारी शक्ति के जीवन को आसान बनाती हैं और उनकी मुश्किलें कम करती हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ अपने परिवार के लिए सोचने वाले, परिवारवादी नेताओं को ये बात कतई समझ नहीं आ सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में एक करोड़ से ज्यादा बहनें पिछले दिनों अलग-अलग योजनाओं और प्रयासों के कारण ‘लखपति दीदी’ बन चुकी हैं।

मोदी ने कहा कि यह आंकड़ा छोटा नहीं है और उनका लक्ष्य अब तीन करोड़ ‘लखपति दीदी’ के आंकड़े को पार करना है। उन्होंने कहा, हमारा तीसरा कार्यकाल नारी शक्ति के उत्कर्ष का नया अध्याय लिखेगा। इस आयोजन के समय देशभर में 11 अलग-अलग जगहों से भी ‘नमो ड्रोन दीदियों’ ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

वैज्ञानिकों ने कोविड-19 संक्रमण के खिलाफ नई एंटीवायरल दवाएं खोजीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैज्ञानिकों ने असरदार एंटीवायरल दवाएं खोज निकाली हैं जिनमें भविष्य में कोविड-19 संक्रमण के प्रकोप को रोकने की क्षमता है। ‘नेचर पत्रिका’ में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है।

रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने बताया कि कोविड-19 का कारण बनने वाला वायरस एस-सीओवी-2 कोशिकाओं में एक ऐसे मार्ग को सक्रिय कर देता है, जो पेरोक्सीसोम्स व इंटरफेरॉन के उत्पादन को रोक देता है और ये दोनों ही तत्व सामान्य प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के दो महत्वपूर्ण घटक हैं। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा के शोधकर्ताओं की टीम ने इस नई एंटीवायरल दवा का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जो इंटरफेरॉन के उत्पादन को बढ़ाकर कोविड-19 के प्रभाव को कम करने का काम करती है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि इंटरफेरॉन संक्रमित कोशिकाओं को और अधिक वायरस उत्पन्न करने से रोकने और इन संक्रमित कोशिकाओं को मारने का का काम करता है।

इसके बाद यह तत्व संक्रमित कोशिकाओं के आस-पास मौजूद कोशिकाओं को संक्रमित होने से रोकता है। शोधकर्ताओं की टीम ने 40 मौजूदा दवाओं की जांच की जो संकेत देने वाले मार्ग को निशाना बनाती हैं। इनमें से ज्यादातर दवाएं मूल रूप से कैंसर के उपचार के लिए विकसित की गई थीं, जो अक्सर इंटरफेरॉन के उत्पादन को बढ़ा देती हैं।

इनमें से तीन दवाएं फेफड़ों में पाए जाने वाले वायरस की मात्रा को महत्वपूर्ण रूप से कम करने में प्रभावी है और एक दवा चूहे में सूजन व अन्य लक्षणों को कम करने में प्रभावी साबित हुई है।

यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा के प्रोफेसर और अध्ययन के मुख्य लेखक टॉम होबमैन ने कहा, हमने कुछ मामलों में एक टेस्ट ट्यूब में वायरस उत्पन्न होने की मात्रा में 10 हजार गुना तक कमी को देखा और जब चूहों पर इसका परीक्षण किया गया तो पाया कि ये दवाएं बहुत वजन में तेज गिरावट को रोकने का काम करती हैं और चूहे बहुत तेजी से ठीक होते हैं।

मुंबई में सड़कों को वाहनों के योग्य बनाना बीएमसी की जिम्मेदारी : उच्च न्यायालय

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह गड्ढों के कारण होने वाली हर सड़क दुर्घटना पर नजर नहीं रख सकता और वाहनों के योग्य सड़कें तथा पैदल चलने वालों के अनुकूल फुटपाथ सुनिश्चित करना शहर के नगर निकाय की जिम्मेदारी है।

मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ ने यह भी कहा कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने पिछले मानसून में गड्ढों को भरने पर 273 करोड़ रुपए खर्च करने का दावा किया था, लेकिन सड़कों की हालत अब भी खराब है।

पीठ अधिवक्ता रूजू ठक्कर की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुंबई और पड़ोसी क्षेत्रों की सभी मुख्य सड़कों पर गड्ढों को भरने के उच्च न्यायालय के 2018 के आदेश को लागू करने में विफल रहने के लिए नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई का अनुरोध किया गया था। ठक्कर पिछले साल से गड्ढों के कारण हुई दुर्घटनाओं के चलते वाहन चालकों की मौत की घटनाओं के बारे में पीठ को जानकारी दे रहे हैं। न्यायमूर्ति उपाध्याय ने कहा, प्रत्येक सड़क दुर्घटना और गड्ढों की निगरानी करना मुश्किल होता जा रहा है। अंततः यह उनकी (बीएमसी) जिम्मेदारी है।

इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला साबित होने जा रहा है चुनावी बॉण्ड : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनावी बॉण्ड का विवरण देने के लिए समय बढ़ाने संबंधी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की याचिका उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद सोमवार को दावा किया कि यह भारत के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला साबित होने जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनावी बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए समय बढ़ाए जाने का अनुरोध करने संबंधी एसबीआई की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। शीर्ष अदालत ने उसे 12 मार्च को कामकाजी घंटे समाप्त होने तक निर्वाचन आयोग को उक्त विवरण उपलब्ध कराने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने निर्वाचन आयोग को भी एसबीआई द्वारा साझा की गई जानकारी 15 मार्च को शाम पांच बजे तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी करने का निर्देश दिया। राहुल ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी के ‘चंदे के धंधे’ की पोल खुलने वाली है! 100 दिन में स्विस बैंक से काला धन वापस लाने का वायदा कर (केंद्र की) सत्ता में आई सरकार अपने ही बैंक का डेटा छिपाने के लिए उच्चतम न्यायालय में सिर के बल खड़ी हो गई। उन्होंने दावा किया कि चुनावी बॉण्ड भारत के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला साबित होने जा रहा है, जो भ्रष्ट उद्योगपतियों और सरकार के बीच सांठगांठ की पोल खोलकर (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी का असली चेहरा देश के सामने लाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया, क्रोनोलॉजी स्पष्ट है - चंदा दो- धंधा लो, चंदा दो- ‘प्रोटेक्शन’ लो! चंदा देने वालों पर कृपा की बौछार और आम जनता पर टैक्स की मार, यही है भाजपा की मोदी सरकार।

कांग्रेस की सीईसी की बैठक, जल्द जारी होगी उम्मीदवारों की दूसरी सूची

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने लोकसभा चुनाव के वास्ते सोमवार को उत्तराखंड, राजस्थान और कुछ अन्य राज्यों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाने के लिए बैठक की। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और समिति में शामिल कई अन्य नेताओं, संबंधित राज्यों के प्रभारी व वरिष्ठ नेताओं ने बैठक में शिरकत की। पार्टी की सीईसी की यह दूसरी बैठक है। सूत्रों का कहना है कि लोस चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की दूसरी सूची अगले एक-दो दिन के भीतर जारी हो सकती है।

कांग्रेस ने गत शुक्रवार को 39 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी, जिसमें पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल थे। राहुल गांधी एक बार फिर केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ेंगे। सीईसी ने लोकसभा चुनाव के लिए गत बृहस्पतिवार को छत्तीसगढ़, केरल और कई अन्य राज्यों की 39 सीट के लिए उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई थी।

विशेष अदालत ने भाजपा सांसद ठाकुर के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मालेगांव विस्फोट मामला

मुंबई/भाषा। मुंबई में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अदालत ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले की आरोपी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर को बार-बार चेतावनी के बावजूद पेश नहीं होने पर सोमवार को जमानती वारंट जारी किया है।

ठाकुर और छह अन्य के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मुकदमा दर्ज है। एनआईए अदालत वर्तमान में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत आरोपियों के बयान दर्ज कर रही है। विशेष अदालत ने इससे पहले आरोपियों को सुनवाई के लिए उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था। विशेष न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने सोमवार को ठाकुर के खिलाफ 10,000 रुपए का जमानती वारंट जारी किया और जांच एजेंसी को 20 मार्च तक रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। न्यायाधीश ने पिछले माह ठाकुर को चेतावनी दी थी कि यदि वह अदालत की कार्यवाही में शामिल नहीं हुईं तो उनके खिलाफ ‘‘उचित कार्रवाई’’ की जाएगी। मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर रखे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। शुरुआत में इस मामले की जांच महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ता कर रहा था, लेकिन 2011 में मामला एनआईए को सौंप दिया गया।

गडकरी ने झारखंड में 2,500 करोड़ रु. की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी

नई दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने झारखंड में 2,500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी है। मंत्री ने रविवार को ‘ऑनलाइन’ माध्यम से परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, परियोजनाओं में तुपुदाना से कुंडियाबारटोली खंड (खूंटी बाईपास सहित) को चार-लेन बनाना और बेरो से खूंटी खंड का चौड़ीकरण और उन्नत करना शामिल है। बेरो से खूंटी खंड के चौड़ीकरण से यातायात सुगम होगा और आसपास के क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

खूंटी बाईपास के चार-लेन बनने से स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचना आसान हो जाएगा, जिससे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

जीएमआर हैदराबाद हवाई अड्डे को मिला ’एएसक्यू सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा पुरस्कार’

हैदराबाद/भाषा। जीएमआर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने सोमवार को कहा कि उसे 1.5-2.5 करोड़ यात्रियों की वार्षिक क्षमता वाली श्रेणी में एशिया-प्रशांत क्षेत्र का वर्ष 2023 का लिए हवाईअड्डा सेवा गुणवत्ता (एएसक्यू) पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 2023 में वैश्विक स्तर पर भाग लेने वाले 400 से अधिक हवाई अड्डों में से उसे एक बार फिर एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) के एएसक्यू सर्वेक्षण में यह पुरस्कार दिया गया है। जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रदीप पणिक्कर ने कहा, हम इस मान्यता के लिए टीम और सभी हवाईअड्डा हितधारकों को उनके समर्पण, अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देते हैं। इस हवाई अड्डे को वर्ष 2018 में 1.5-2.5 करोड़ यात्रियों के खंड में विश्व में चौथा स्थान मिला था।

चुनावी बॉण्ड: न्यायालय ने समय बढ़ाने की एसबीआई की याचिका खारिज की, आज जानकारी देने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को बड़ा झटका देते हुए चुनावी बॉण्ड संबंधी जानकारी का खुलासा करने के लिए समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध करने वाली उसकी याचिका सोमवार को खारिज कर दी और उसे 12 मार्च को कामकाजी घंटे समाप्त होने तक निर्वाचन आयोग को चुनावी बॉण्ड संबंधी विवरण उपलब्ध कराने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने निर्वाचन आयोग को भी एसबीआई द्वारा साझा की गई जानकारी 15 मार्च को शाम पांच बजे तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करने का निर्देश दिया।

इस पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल रहे। पीठ ने एसबीआई को नोटिस दिया कि यदि बैंक उसके निर्देशों और समयसीमा का पालन करने में विफल रहता है तो शीर्ष अदालत अपने 15 फरवरी के फैसले की ‘‘जानबूझकर अवज्ञा’’ करने के लिए उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 15 फरवरी को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए केंद्र की चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द कर दिया

था और इसे ‘‘असंवैधानिक’’ करार देते हुए निर्वाचन आयोग को चंदा देने वालों, चंदे के रूप में दी गई राशि और चंदा प्राप्तकर्ताओं का 13 मार्च तक खुलासा करने का आदेश दिया था।

लोकसभा चुनाव से पहले आए इस फैसले में न्यायालय ने चुनावी बॉण्ड योजना को तत्काल बंद करने तथा इस योजना के लिए अधिकृत वित्तीय संस्थान (एसबीआई) को 12 अप्रैल, 2019 से अब तक खरीदे गए चुनावी बॉण्ड का विस्तृत ब्योरा छह मार्च तक निर्वाचन आयोग को सौंपने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने एसबीआई की उस याचिका पर सुनवाई की जिसमें राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए समय-सीमा 30 जून तक बढ़ाए जाने का अनुरोध किया गया था।

पीठ ने एक अन्य याचिका पर भी सुनवाई की जिसमें एसबीआई के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने कहा कि अर्जी में एसबीआई की दलीलों से पर्याप्त संकेत मिलता है कि न्यायालय ने जिस जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया था वह आसानी से उपलब्ध है। उसने कहा, उपरोक्त चर्चा के मद्देनजर, 30 जून, 2024 तक चुनावी बॉण्ड की खरीद और उन्हें भुनाए जाने के विवरण को सार्वजनिक करने की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध करने वाली एसबीआई की याचिका खारिज की जाती है। पीठ ने कहा, एसबीआई को 12 मार्च को कामकाजी घंटों की समाप्ति तक विवरण का खुलासा करने का निर्देश दिया जाता है। उसने कहा, जहां तक ईसीआई (भारत निर्वाचन आयोग) का संबंध है, हम निर्देश देते हैं कि ईसीआई जानकारी संकलित करेगा और 15 मार्च, 2024 को शाम पांच बजे तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर विवरण प्रकाशित करेगा।

अपने वादे पूरे करने में विफल रहे प्रधानमंत्री मोदी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि वह अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने 10 साल पहले जो वादे किए थे, वे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। स्टालिन ने दावा करते हुए कहा कि विपक्षी 'इंडि' गठबंधन लोगों को यह समझाने में कामयाब हुआ है कि भाजपा को किसी भी कीमत पर हराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गठबंधन के नेता विभिन्न राज्यों में आपस में बातचीत कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भाजपा विरोधी वोट बंट न पाएं।

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कांग्रेस, सीपीआई-एम, सीपीआई, वीसीके, एमडीएमके, आईयूएमएल और केएनएमडीके सहित अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारा पूरा कर लिया है। उनकी पार्टी राज्य के 39 लोकसभा क्षेत्रों में से 21 पर चुनाव लड़ेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि एमएनएम के संस्थापक और अभिनेता कमल हासन द्रमुक गठबंधन में शामिल हो गए हैं। वह अब अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कमल हासन को 2025 में राज्यसभा सीट आवंटित की जाएगी। द्रमुक प्रमुख ने कहा कि हम भाजपा को हराने के लिए एकजुट हैं और हमारी यही भावना हमें 39 सीटों पर जीत दिलाएगी। स्टालिन ने द्रमुक कार्यकर्ताओं से तमिलनाडु और पुडुचेरी के सभी 40 निर्वाचन क्षेत्रों में गठबंधन की जीत पर काम करने के लिए कहा है। राजनीतिक परिवर्तन लाने के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में एक ऐसी सरकार बननी जरूरी है, जो सभी राज्य सरकारों को सम्मान दे। द्रमुक नेता ने यह भी कहा कि इंडि गठबंधन तमिलनाडु में तीन वर्षों से चल रही 'द्रविड़ मॉडल' सरकार की उपलब्धियों को उजागर करेगा।

उद्घाटन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्मपुरी में सोमवार को आयोजित समारोह में पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। उन्होंने नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी और धर्मपुरी, सेलम और कृष्णागिरी जिलों के लाभार्थियों को कल्याणकारी सहायता सौंपी।

सेंथिल बालाजी की हिरासत अवधि 13 मार्च तक बढ़ाई गयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां की एक अदालत ने प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी की हिरासत अवधि सोमवार को 13 मार्च तक के लिये बढ़ा दी। बालाजी को पिछले साल प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने बालाजी की न्यायिक हिरासत बुधवार तक बढ़ा दी। बालाजी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत के समक्ष अभियोजन पक्ष ने पेश किया था। न्यायाधीश ने मामले के सिलसिले में बालाजी की ओर से दोषमुक्त करने के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई 13 मार्च के लिए स्थगित कर दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल 14 जून को बालाजी को नौकरियों के बदले नकदी घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। मद्रास उच्च न्यायालय के साथ-साथ शहर की अदालत ने अब तक उनकी कई जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं।

'रजनीकांत फैन क्लब' के सदस्य भाजपा में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'रजनीकांत फैन क्लब' के कुछ सदस्य सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

अन्नामलाई और पार्टी के वरिष्ठ नेता एच राजा ने पार्टी में उनके शामिल होने पर भारतीय जनता पार्टी शॉल से उनका स्वागत किया। यह कार्यक्रम आज भारतीय जनता पार्टी की कोर कमेटी की बैठक से पहले आयोजित किया गया था। वहीं, इस बैठक में लोकसभा चुनावों के मद्देनजर गठबंधन से संबंधित मामलों पर चर्चा होने की संभावना है।

भाजपा राज्य में गैर-द्रमुक (द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम) और गैर अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाला गठबंधन बनाने की कोशिश कर रही है।

इसी बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री जी के वासन के नेतृत्व वाली तमिल मनीला कांग्रेस पहले ही भगवा पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हो चुकी है।

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के मैयलापुरम् निर्वाचन क्षेत्र की पूर्व अन्नाद्रमुक विधायक राजलक्ष्मी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी के सुशासन से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री किशन रेड्डी, मंत्री जनरल वीके सिंह और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई की उपस्थित में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

तमिलनाडु में 3260 करोड़ रुपये की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में निर्मित प्रतिष्ठित द्वारका एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के साथ ही, प्रधान मंत्री ने 13 राज्यों में फैली 1 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 100 से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। इस अवसर पर, चेन्नई ट्रेड सेंटर में एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री डॉ. एल मुरुगन मुख्य अतिथि थे। राज्य में विभिन्न स्थानों पर स्थित 3,260 करोड़ रुपये की लागत वाली आठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं हैं, जिन्हें मंत्रालय और एनएचएआई द्वारा कार्यान्वयन के लिए लिया गया है।

राजनीतिक दलों के नेताओं ने मछुआरों की गिरफ्तारी की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के कराईकल के कुल 22 मछुआरों को श्रीलंका नौसेना द्वारा रविवार को तीन अलग-अलग घटनाओं में समुद्र में मछली पकड़ते समय गिरफ्तार किए जाने की विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने निंदा की। उन्होंने मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की है। यहां प्राप्त रिपोर्टों में कहा गया है कि मछुआरों को अपने पारंपरिक जल में उच्च समुद्र में मछली पकड़ने के दौरान अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई, पीएमके अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. अंबुमणि रामदास और तमिल मनीला कांग्रेस के अध्यक्ष जी.के. वासन सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता गिरफ्तारियों की निंदा की और मछुआरों की रिहाई में केंद्र के हस्तक्षेप की मांग की। अन्नामलाई ने केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर मछुआरों की शीघ्र स्वदेश वापसी और उनकी मछली पकड़ने वाली नाव की रिहाई के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की।

एक बयान में, वासन ने कहा कि केंद्र को तुरंत श्रीलंकाई सरकार के साथ बातचीत करनी चाहिए और गिरफ्तार मछुआरों और पकड़ी गई नौकाओं की रिहाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर उपाय करने का भी आह्वान किया।

राज्यसभा सांसद डॉ. अंबुमणि ने अपने पारंपरिक जल में मछली पकड़ रहे मछुआरों की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि श्रीलंका नौसेना द्वारा इस तरह के अत्याचार बढ़ रहे हैं। उन्होंने केंद्र से इस जटिल मुद्दे का स्थायी समाधान खोजने और सभी 22 मछुआरों और उनकी नौकाओं की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए मछुआरों में एस. कलियाप्पन (53), पी. अकिलन (18), पी. कोडी मारी (65), एस. शेख अब्दुल्ला (35), के. थंगराज (54), ए. जयारमन (40) एस.सरवनन (24) कंडासामी (43) पी. सुंदरमूर्ति (44) वी. किशोर (29), एस. नवीन (22), एस. कालिदास (34), पी. आनंद पाल (50), आर. पुलवेंदिरन (42), ए. श्रीराम (24), के. कविरासन (34), ए. सिंगाराम (33), आर. मदन (25), सी. नवीन कुमार (18), एस. सेंथिल (35), आर. अंबुराज (39) और आर. राजकुमार (23) शामिल है।

लोस चुनाव में गठबंधन को लेकर पीएमके में मतभेद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शक्तिशाली वन्नियार समुदाय की राजनीतिक शाखा पीएमके आगामी लोकसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर बंटी हुई है। पीएमके के संस्थापक नेता डॉ. एस. रामदास एआईएडीएमके के साथ गठबंधन चाहते हैं, जबकि उनके बेटे और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अंबुमणि रामदास भाजपा के साथ जुड़ना चाहते हैं।

2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी और अन्नाद्रमुक एनडीए का हिस्सा थे। इसमें पीएमके भी शामिल थी। लेकिन, सितंबर 2023 में एआईएडीएमके ने भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया। इससे पीएमके में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। अब पार्टी पिता और पुत्र के दो शक्ति केंद्रों के बीच विभाजित हो गई है। डॉ. अंबुमणि रामदॉस भाजपा के साथ गठबंधन के पक्ष में हैं, क्योंकि पार्टी ने उन्हें केंद्र में कैबिनेट मंत्री पद की पेशकश की है, जबकि उनके पिता डॉ. रामदॉस एआईएडीएमके के साथ गठबंधन करना चाहते हैं। उनका मानना है कि 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए यह एक बेहतर दांव होगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अन्नाद्रमुक ने पीएमके को 12 लोकसभा सीटें और एक राज्यसभा सीट की पेशकश की है, जबकि भाजपा ने सीटों की संख्या पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार बीजेपी को किसी भी तरह पीएमके को अपने पाले में रखना चाहिए। सोशल इंजीनियरिंग के लिहाज से यह एक बड़ा राजनीतिक कदम होगा।

लांच — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक पुस्तकालयों के लिए पुस्तक खरीद के लिए एक वेबसाइट लॉन्च की और टीएनपीएससी के माध्यम से जिला पुस्तकालय अधिकारी पद के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश सौंपे अधिक।

सीमा शुल्क विभाग ने तमिलनाडु में 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का मादक पदार्थ बरामद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुदुकोट्टई। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को पुदुकोट्टई जिले से 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का हशीश और गांजा बरामद किया है।

तिरुचिरापल्ली सीमा शुल्क निवारक आयुक्तालय के अधिकारियों ने मिमिसल गांव में एक झींगा फार्म में स्थित एक शेड से हशीश और गांजा बरामद किया है। तिरुचिरापल्ली सीमा शुल्क (निवारक) क्षेत्र के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर किए गए पोस्ट कहा गया कि सूचना के आधार पर ये मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं।

इसमें कहा गया कि अधिकारियों को सूचना मिली थी कि झींगा फार्म में स्थित एक शेड में भारी मात्रा में हशीश और गांजा छिपाए गए हैं। जिसके बाद वे तुरंत मौके पर पहुंच गए। इन नशीले पदार्थ को भारत से श्रीलंका में तस्करी किया जाना था।

उन्होंने कहा कि शेड की बारीकी से जांच की गई तो इसमें प्रतिबंधित नशीले पदार्थ जैसे हशीश और गांजा के 48 बैग बरामद किए गए। चूंकि शेड में बिजली की आपूर्ति नहीं थी, इसलिए प्रतिबंधित सामग्री को पास के सीमा शुल्क कार्यालय में ले जाया गया।

वहां परीक्षण के बाद यह पाया गया कि यह पदार्थ नारकोटिक ड्रग्स था। जिसमें 100 किलोग्राम हशीश जिसकी कीमत 110 करोड़ रुपये और 876 किलोग्राम सूखा गांजा था, जिसकी कीमत 1.05 करोड़ रुपये थी। हाल ही में, राज्य के मंडपम के पास से लगभग 108 करोड़ रुपये मूल्य की 99 किलोग्राम हशीश जब्त की गई थी।

जन अभिप्राय — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए लोगों के सुझाव मांगे जा रहे हैं। कोयम्बटूर में कोयंबटूर जिला भारतीय जनता पार्टी की ओर से जिले के अध्यक्ष जे रमेश कुमार के नेतृत्व में गणपति बस स्टैंड क्षेत्र में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर लोगों का जन अभिप्राय जाने के लिए एक रथ को रवाना किया गया। कोयम्टूर क्षेत्र के प्रभारी जीके सेल्वाकुमार ने वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर जिले के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल के अचानक इस्तीफा देने से संवैधानिक संकट पैदा हो गया है : कार्ति चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने सोमवार को कहा कि निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल के अचानक इस्तीफा देने से एक संवैधानिक संकट पैदा हो गया है और केंद्र ने अभी तक इस मामले पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

कार्ति चिदंबरम ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि एक संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति के इस्तीफा देने को लेकर कोई संवाददाता सम्मेलन नहीं किया गया और न ही कोई वजह बतायी गयी।

उन्होंने कहा, ''एक परिपक्व लोकतंत्र में अगर संवैधानिक पद पर बैठा कोई वरिष्ठ पदाधिकारी इस्तीफा देता है, तो कम से कम इस्तीफे की वजह बताने के लिए कोई संवाददाता सम्मेलन होगा या कोई बयान जारी होगा। उनके अचानक इस्तीफा देने से एक संवैधानिक संकट पैदा हो गया है और सरकार ने इस पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि यह दुख की बात है कि लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले यह हुआ है।

शक्तियों के हस्तांतरण और उपकर लगाने जैसे मुद्दों पर उन्होंने कहा कि केंद्र, राज्य सरकारों के अधिकारों का सम्मान नहीं करता है। संविधान में संशोधन करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के पास संसद में दो-तिहाई बहुमत होने की आवश्यकता संबंधी भाजपा सांसद अनंतकुमार हेगड़े के बयान पर उन्होंने कहा कि ऐसे सभी कारकों ने देश में ''खतरनाक'' स्थिति पैदा कर दी है।

कार्ति ने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद ने यह नहीं बताया कि उनकी पार्टी क्या करना चाहती है, लेकिन यह साफ है कि धर्मनिरपेक्षता'' को खत्म करने और देश को ''हिंदू राष्ट्र'' घोषित करने की उनकी इच्छा है। उन्होंने कहा कि आम चुनाव ऐसे मुद्दों पर आधारित होगा और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, संविधान तथा राज्यों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए केंद्र में भारतीय जनता पार्टी सरकार को सत्ता से बाहर करना होगा और एक नयी सरकार का चुनाव करना होगा। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडि' (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) इस दिशा में काम कर रहा है।

कार्ति ने कहा कि निर्वाचन आयुक्त चुनने के लिए संशोधित नियमों के अनुसार प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रिमंडल का सदस्य और विपक्ष का एक नेता निर्वाचन आयुक्त का चुनाव कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, सरकार के पास बहुमत है और इसलिए चुनाव महज एक औपचारिकता है।

महिला दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) पुडुचेरी के क्षेत्रीय कार्यालय में महिला दिवस के मौके पर सभी का स्वागत करते हुए एजीएम जे. एबेनेजर सोफिया (पोडियम पर)। इस मौके पर समारोह की अध्यक्षता बैंक के डीजीएम आर राकेश ने की। इस मौके पर सीएम जेपी नायक आदि वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय संविधान विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने भारतीय संविधान को विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या बताते हुए सोमवार को कहा कि संविधान देश को शासित करने से जुड़ा विधान ग्रंथ ही नही है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति तथा उदात्त जीवन मूल्यों का प्रतिबिंब है। मिश्र सोमवार को कोटा स्थित राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में निर्मित संविधान उद्यान के लोकार्पण कार्यक्रम को राजभवन से ऑनलाइन के जरिए संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में संविधान उद्यानों के निर्माण इसलिए करवाए गए हैं ताकि युवा पीढ़ी संविधान की हमारी संस्कृति के प्रति सजग रहें। मिश्र ने कहा कि देश के भावी नागरिकों में बंधुता, स्वाभिमान और राष्ट्र की एकता से जुड़ा हमारा संविधान राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का भी संवाहक है।

उन्होंने संविधान की मूल प्रति पर उकेरे चित्रों का जिक्र करते हुए कहा कि इनके जरिए भारतीय इतिहास की विकास यात्रा के साथ सर्वधर्म समभाव की हमारी संस्कृति को हम जान और समझ सकते हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में 65 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बनाए गए संविधान उद्यान की सराहना की। उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति से जुड़ा जो दर्शन है, हमारी जो उदात्त जीवन परम्पराएं हैं, संविधान उसे व्याख्यायित करता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने बताया कि राजस्थान में तकनीकी विश्वविद्यालय में बनने वाला यह पहला संविधान उद्यान है और यहां 75 फुट ऊंचा संविधान स्तंभ भी बनाया गया है। उद्यान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए सिंह ने कहा कि इससे युवा पीढ़ी अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनेगी।

कस्वां के कांग्रेस में आने से ‘न्याय’ की लड़ाई मजबूत होगी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य प्रमुख नेताओं ने चुरू से सांसद राहुल कस्वां के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल होने का स्वागत किया है। गहलोत ने कहा कि इससे ‘न्याय’ की लड़ाई मजबूत होगी। चुरू से लोकसभा सदस्य कस्वां सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। गहलोत ने कस्वां का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा, न्याय से जुड़ रहा भारत, ध्येय लोकतंत्र की हिफाजत।

उन्होंने पोस्ट में कहा, लोकतंत्र संरक्षण, संस्थाओं की आजादी और भारत को मजबूत करने के संकल्प के साथ भाजपा छोड़कर समर्थकों के साथ कांग्रेस में सम्मिलित हुए चुरू सांसद राहुल कस्वां का कांग्रेस परिवार में स्वागत है। आपके इस फैसले से निश्चित ही ‘न्याय’ की लड़ाई मजबूत होगी। डोटासरा ने पोस्ट में कहा, निस्संदेह कस्वां की किसान कल्याण एवं जनसेवा की भावना से जनता के मुद्दों को बल मिलेगा और पार्टी संगठन और सशक्त होगा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी कस्वां का कांग्रेस में स्वागत करते हुए ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा कि कस्वां के पार्टी में आने से संगठन और मजबूत होगा। भाजपा द्वारा चुरू सीट से उनके बजाय दूसरा प्रत्याशी उतारे जाने के बाद कस्वां ने यह कदम उठाया है। कांग्रेस में शामिल होने से पहले कस्वां ने भाजपा और संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा, राम-राम मेरे चूरू लोकसभा परिवार.....मेरे परिवारजनो! आप सब की भावनाओं के अनुरूप, मैं सार्वजनिक जीवन का एक बड़ा फैसला लेने जा रहा हूं। राजनीतिक कारणों के चलते आज इसी समय, मैं भाजपा की प्राथमिक सदस्यता एवं संसद सदस्य से इस्तीफा दे रहा हूं।

कस्वां ने कहा, समस्त भाजपा, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह का आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने मुझे 10 वर्षों तक चूरू लोकसभा परिवार की सेवा करने का अवसर दिया। विशेष आभार मेरे चूरू लोकसभा परिवार का, जिन्होंने मुझे सदैव बहुमूल्य साथ, सहयोग और आशीर्वाद दिया। भाजपा ने चुरू सीट से नये चेहरे देवेंद्र झाझड़िया को टिकट दिया है। झाझड़िया पैरालंपिक में दो बार स्वर्ण तथा एक बार रजत पदक जीत चुके हैं।

भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गत दो मार्च को राजस्थान की 25 में से 15 सीट पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इसमें पार्टी ने जिन मौजूदा सांसदों के टिकट काटे हैं उनमें राहुल कस्वां (चूरू), रंजीता कोली (भरतपुर), देवजी पटेल (जालौर), अर्जुन लाल मीणा (उदयपुर) और कनकमल कटारा (बांसवाड़ा) शामिल हैं।

सांसद कस्वां ने भाजपा की सदस्यता छोड़ी

जयपुर। राजस्थान के चुरू से सांसद राहुल कस्वां ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्राथमिक सदस्यता और सांसद पद से इस्तीफा देने की घोषणा सोमवार को की। सांसद ने सोशल मीडिया मंच ’एक्स’ पर यह घोषणा की। वह आगामी लोकसभा चुनाव के लिए चुरू सीट से अपनी टिकट काटे जाने से नाराज चल रहे थे।

उन्होंने लिखा, ’राम-राम’ मेरे चूरू लोकसभा परिवार..... मेरे परिवारजनों! आप सब की भावनाओं के अनुरूप, मैं सार्वजनिक जीवन का एक बड़ा फैसला लेने जा रहा हूँ। राजनीतिक कारणों के चलते आज इसी समय, मैं भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता एवं संसद सदस्य पद से इस्तीफा दे रहा हूँ। सांसद ने यह भी लिखा, समस्त भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा जी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं अमित शाह जी का आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने मुझे 10 वर्षों तक चूरू लोकसभा परिवार की सेवा करने का अवसर दिया।

अमृतसर-जामनगर कॉरिडोर से पश्चिमी जिले होंगे समृद्ध : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि अमृतसर-जामनगर इकॉनोमिक कॉरिडोर के विकास से सम्पूर्ण प्रदेश और विशेषकर राज्य के सीमावर्ती जिलों के आर्थिक विकास के नये अवसर खुलेगें। दीया कुमारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोमवार को गुरूग्राम में अमृतसर-जामनगर इकॉनोमिक कॉरिडोर के 1799 करोड़ की लागत के दो पैकेजेस के उद्घघाटन कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुई और इस उपलक्ष्य में आरआईसी में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर तथा जालौर जिलों की पंजाब और गुजरात के प्रमुख औद्योगिक शहरों एवं बंदरगाह से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इससे औद्योगिक विकास के साथ पर्यटन एवं निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार के नये अवसर पैदा होगें। मार्ग में होटल, रेस्त्रां एवं अन्य व्यवसायिक गतिविधियां बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि मोदी और केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि पिछले 10 वर्षो में देश के सड़क नेटवर्क का बहुत तेजी से विस्तार हुआ है। दिल्ली-मुम्बई वडोदरा एक्सप्रेस वे और अमृतसर-जामनगर इकनोमिक कॉरिडोर सहित कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लाभ प्रदेश को मिला है। इसके लिये उन्होंने प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री का आभार जताया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सड़कें किसी भी देश के विकास का मूल आधार होती है। देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय बनाने के लिये केन्द्रीय बजट में इसके लिए 11.11 लाख करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में भी डबल इंजन सरकार तेजी से विकास के लिये प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। राज्य बजट में स्टेट रोड फंड में 1500 करोड़ रूपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

लगभग 22 हजार 500 करोड़ की लागत से अमृतसर को बंदरगाह शहर जामनगर से जोड़ने वाला 917 किलोमीटर लम्बे 6 लेन एक्सेस नियंत्रित अमृतसर जामनगर इकनोमिक कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। इसका लगभग 637 किलोमीटर हिस्सा प्रदेश के हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर और जालौर जिलों से होकर गुजर रहा है।

इस परियोजना के 637 किलोमीटर के 23 पैकेज राजस्थान में है। जिनमें से 502 किलोमीटर लम्बाई के 18 पैकेज का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किये जा चुके है। सोमवार को प्रधानमंत्री ने इस परियोजना के लगभग 53 किलोमीटर लम्बाई के 1799 करोड़ की लागत के 2 पैकेज (डबवाली, सिरसा-पीलीबंगा, हनुमानगढ़) का उद्घाटन किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने पर्यवेक्षकों को सभी राजनैतिक दलों को समान अवसर सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, भारत निर्वाचन आयोग ने आज राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में तैनात किए जाने वाले पर्यवेक्षकों के लिए एक ब्रीफिंग का आयोजन किया। इसमें 2150 से अधिक वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस अधिकारियों के साथ-साथ भारतीय राजस्व सेवा और कुछ अन्य केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी, जिसमें कुछ अधिकारी संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों से वर्चुअली शामिल हुए। आगामी चुनाव में लगभग 900 सामान्य पर्यवेक्षक, 450 पुलिस पर्यवेक्षक और 800 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किये जा रहे हैं। राजस्थान में आज 85 पर्यवेक्षकों ने इस ब्रीफिंग सत्र में वर्चुअली भाग लिया।

पर्यवेक्षकों को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने उन्हें स्वतंत्र, निष्पक्ष, समान अवसर सुनिश्चित करने के साथ ही भय और प्रलोभन मुक्त चुनाव कराने के निर्देश दिए। सीईसी ने जोर देकर कहा कि पर्यवेक्षकों के रूप में आयोग के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे स्वयं आदर्श रूप से आचरण करें और उम्मीदवारों सहित सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षकों से क्षेत्र में अपने आचरण में सख्त लेकिन व्यवहार में विनम्र रहने की अपेक्षा की जाती है। उन्होनें ये भी कहा कि पर्यवेक्षक मतदान केंद्रों का दौरा करें, वहां के भूगोल से परिचित हों और संवेदनशील क्षेत्रों की पूर्ण जानकारी लें। कुमार ने यह भी उल्लेख किया कि आयोग ने सभी परिपत्रों को फिर से तैयार किया है, ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध मैनुअल, हैंडबुक को भी खोजने योग्य और पढ़ने में आसान प्रारूप में अपडेट किया गया है। उन्होंने कहा कि हैंडबुक और मैनुअल विभिन्न अधिकारियों की भूमिकाओं और कार्यों के आधार पर तैयार किया गया है इनमें चैकलिस्ट के तौर पर ये भी दर्शाया गया है कि क्या करें और क्या न करें।

बैठक के दौरान सभी पर्यवेक्षकों को आयोग की विभिन्न नवाचारों के बारे में बताया गया ताकि वे कार्य की संवेदनशीलता को बेहतर समझ सकें। ब्रीफिंग सत्र के दौरान निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया गया:

1. पर्यवेक्षकों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान आवंटित संसदीय क्षेत्र की सीमाओं के भीतर ही रहने का निर्देश दिया गया है इस हेतु इनके वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग लगाने का प्रस्ताव दिया गया है

2. पर्यवेक्षकों को अपने मोबाइल/लैंडलाइन नंबरों का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया है इसके लिए सीईओ/जिला वेबसाइटों पर ईमेल पते/रहने के स्थान आदि को प्रदर्शित करने के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक/प्रिंट मीडिया में भी प्रसारित किया जाना चाहिए। पर्यवेक्षकों के आगमन के दिन से ही ये जानकारी उम्मीदवारों/मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भी डीईओ/आरओ द्वारा दी जानी चाहिए।

3. पर्यवेक्षकों से कहा गया कि वे अपने फोन/ई-मेल पर हमेशा उपलब्ध रहें, उम्मीदवारों/राजनीतिक दलों/सामान्य जनता/चुनाव ड्यूटी पर तैनात कार्मिक आदि की कॉल सुने/जवाब दें, इस संबंध में कोई भी शिकायत आयोग द्वारा गंभीरता से ली जाएगी।

4. डीईओ को पर्यवेक्षकों के साथ संपर्क अधिकारी और सुरक्षा के रूप में ईमानदार व्यक्तियों को तैनात करना चाहिए। संपर्क अधिकारी/सुरक्षा अधिकारी को तटस्थता बनाए रखने और उपस्थित होने के संबंध में उचित रूप से जानकारी दी जाए और जागरूक किया जाए ताकि अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा से करें।

5. पर्यवेक्षकों को अपने अनिवार्य कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया है। जैसे- सुरक्षा बलों की तैनाती की प्रक्रियाओं में पूरी तरह से शामिल रहे एवं पूर्ण संतुष्ट होने पर ही आगे की कार्यवाही करना, रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया, राजनीतिक दलों द्वारा सुविधा पोर्टल का उपयोग औरसभी उम्मीदवारों/राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना।

मोदी का विजन गरीब, युवा के लिए काम करना है : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन, गरीब युवा अन्नदाता और नारी शक्ति के लिये महत्वपूर्ण काम करने हैं। यादव ने सोमवार को अलवर में अपने लोकसभा चुनाव कार्यालय के उद्घाटन करने के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा सिद्धांतों की राजनीति की है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान कि डर के मारे कांग्रेस के नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये यादव ने कहा, गहलोत हमें सुचिता का पाठ न पढ़ायें। खुद अपनी गिरेबां में झांके। उन्होंने कहा कि राज्य के कई कद्दावर नेता खुद गहलोत के भुक्तभोगी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान तोड़ने का काम किया है। आपातकालीन जैसी कालिख इस लोकतंत्र पर पोती गयी। आपातकाल में यातनायें दी गयीं। संवैधानिक पदों पर बैठकर लोकतंत्र की हत्या की गयी और लोकतंत्र को एक परिवार का बंधक बनाने का काम कांग्रेस ने किया है। यादव ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी अलवर की जनता की सेवा के लिये सौंपी गयी है, वह उसका निर्वाह पूरी तरीके से करेंगे।

इस अवसर पर राज्य के मंत्री संजय शर्मा, विधायक जसवंत सिंह, विधायक बालक नाथ, पूर्व विधायक मनजीत चैधरी, जय राम जाटव ,हेमसिंह भड़ाना , ज्ञान देव आहूजा, भाजपा नेता धर्मवीर शर्मा, अशोक गुप्ता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

राजस्थान शीघ्र ही विद्युत उत्पादन में अधिशेष श्रेणी में होगा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की ‘डबल इंजन’ सरकार द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान शीघ्र ही विद्युत उत्पादन में अधिशेष श्रेणी में आ जाएगा और प्रदेश की ऊर्जा संबंधी सभी आवश्यकताएं पूरी होंगी।

मुख्यमंत्री तापीय और अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं, प्रसारण तंत्र, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा अन्य विकास कार्यों के लिए 1.60 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर एवं बिजली खरीद समझौते (पीपीए) होने के अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।सउन्होंने कहा कि आज जिन समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं उनको धरातल पर उतारने और समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए राज्य सरकार पूरी शक्ति एवं सामर्थ्य के साथ कार्य करेगी ताकि अग्रणी राजस्थान की संकल्पना साकार हो।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रविवार को राज्य में 31 हजार 825 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन की विभिन्न परियोजनाओं सहित ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए 1.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश के वास्ते राज्य की तीन विद्युत निगमों एवं छह केन्द्रीय उपक्रमों के मध्य पांच एमओयू तथा एक बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही, राज्य में अवसंरचना क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न विभागों, उपक्रमों तथा संस्थाओं के वित्त पोषण के लिए आरईसी लिमिटेड और राज्य सरकार के बीच भी 20 हजार करोड़ रुपये का एक एमओयू हुआ है।

गर्मियों में पेयजल संकट से बचाव के लिए दीया कुमारी ने दी 320 करोड़ की वित्तीय सहमति

जयपुर/दक्षिण भारत । उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के द्वारा आगामी गर्मियों में प्रदेशवासियों के लिए पेयजल व्यवस्था को पुख्ता बनाये रखने के लिए पेयजल एवं पेयजल संबंधित आकस्मिक (कंटीजेंसी) कार्यों हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की विभिन्न पत्रावलियों पर लगभग 320 करोड़ रूपये की वित्तीय सहमतियां प्रदान की गई हैं। उक्त आधार पर जलदाय विभाग अब स्थानीय कंटीजेंसी प्लान बना सकेगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्रीष्म काल में आमजन को, खासकर महिलाओं को पेयजल के लिए जूझना पड़ता है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को पेयजल के लिए भटकना न पड़े और उन्हें आसानी से पेयजल उपलब्ध हो सके, इस बात का विशेष ध्यान रखते हुए उक्त वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। दीया कुमारी ने बताया कि उक्त सहमतियों से टैंकरों द्वारा पेयजल आपूर्ति, हैंडपम्प मरम्मत अभियान हेतु किराये के वाहन एवं संविदा श्रमिकों, ट्यूबवैल, नहरबंदी के दौरान पेयजल व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित रखने के लिए आवश्यक कार्य तथा इसी प्रकार के अन्य कार्य किए जा सकेंगे।

गर्मियों को देखते हुए पेयजल संकट होने की स्थिति में राहत पहुंचाने के लिए जिला कलेक्टर्स को भी 50 लाख रूपये प्रति जिला सहमति दी गई है। उक्त अनुसार जिलों में पेयजल से संबंधित आपातकालीन कार्यों हेतु 25 करोड़ रूपये की राशि की वित्तीय सहमति प्रदान की गई है।

चुनावी बॉण्ड पर उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत किया गहलोत ने

जयपुर/दक्षिण भारत। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उच्चतम न्यायालय द्वारा चुनावी बॉण्ड संबंधी जानकारी के खुलासे के लिए समयसीमा बढ़ाने की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की याचिका को खारिज किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण बताया। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने चुनावी बॉण्ड संबंधी जानकारी का खुलासा करने के लिए समय सीमा बढ़ाए जाने का अनुरोध करने वाली भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

गहलोत ने ’एक्स’ पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा, स्वागत योग्य निर्देश! उन्होंने लिखा, माननीय उच्चतम न्यायालय का एसबीआई को चुनावी बॉण्ड की आवश्यक जानकारी कल तक जमा करने का निर्देश स्वागत योग्य व लोकतंत्र के संरक्षण के लिए अहम है। गहलोत ने कहा, इस मुद्दे पर एसबीआई का समय मांगना उसके भरोसे व पारदर्शिता पर संदेह पैदा करता है।

वहीं, मीडियाकर्मियों से बातचीत में गहलोत ने यह भी कहा कि एसबीआई को समय मांगना ही नहीं चाहिए था और इस प्रकरण से उसकी साख कम हुई है। चुनावी बॉण्ड योजना को ‘महाघोटाला’ बताते हुए गहलोत ने उम्मीद जताई कि इसका खुलासा कभी न कभी होगा।

पूजा

अयोध्या धाम में माहेश्वरी समाज द्वारा बनवाए जा रहे समाज भवन का शिलान्यास व पूजन करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला। भगवान शिव और प्रभु श्री राम के आदर्शों को आत्मसात कर माहेश्वरी समाज मानव सेवा और कल्याण में सदैव अग्रणी है। इस भवन के निर्माण से राम लला के दर्शनों को आ रहे श्रद्धालु लाभान्वित होंगे।

सिरोही जिले में कांस्टेबल की हत्या करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

जोधपुर। राजस्थान के सिरोही जिले में दो पक्षों के बीच झड़प के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, सिरोही के स्वरूपगंज थाना क्षेत्र के लौटाना गांव में महाशिवरात्रि के पर्व पर मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा था जिस दौरान दो पक्षों में झगड़ा हो गया और कांस्टेबल निरंजन सिंह ने बीच-बचाव कराने की कोशिश की तो कुछ व्यक्तियों ने कथित रूप से चाकू घोंपकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि इस बाबत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य की तलाश जारी है। सिरोही जिले के पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। राज्य सरकार ने सिंह के परिवार के लिए विशेष सहायता पैकेज की घोषणा की है।

राजनाथ ने लखनऊ के विकास का श्रेय आदित्यनाथ को दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ के विकास का श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हुए सोमवार को कहा कि उनके सहयोग के बिना यह संभव नहीं हो पाता। सिंह ने कहा, यह हमारा करिश्मा नहीं है बल्कि सांसद होने के नाते मैंने सहयोगी की भूमिका निभाई है। यहां के जनप्रतिनिधि जो कहते गए, वो होता गया। लखनऊ से सांसद सिंह ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 3,666 करोड़ रुपए की 206 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंच पर यह भी पूछ रहे थे कि क्या कोई और काम बाकी है। राजनाथ सिंह ने उप्र के मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि लखनऊ तेजी से समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, लखनऊ में देखने को मिल रहा विकास का यह मॉडल अटल जी का ही सपना है जिसे धरातल पर उतरा जा रहा है।

एक सरकारी बयान के मुताबिक हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश में एक लाख करोड़ रुपए की 112 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, इसमें उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 5,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 104 किलोमीटर लंबे आठ लेन के आउटर रिंग रोड (किसान पथ) के तीन खंड का उद्घाटन शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज किसान पथ के उद्घाटन के साथ लखनऊ की जाम की समस्या का समाधान होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से हरित गलियारा बनाया जा रहा है जिससे लखनऊ शहर को जाम की समस्या से निजात मिल जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा हरित गलियारे के प्रथम चरण का कार्य आज पूरा होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की मदद से रक्षा मंत्रालय लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के केंद्र का भी उद्घाटन कर रहा है। ये हमारे युवाओं को स्टार्टअप और रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा।

लिफ्ट में 'फंसने' की आठ साल पुरानी घटना का जिक्र करते हुए लालू ने अमित शाह पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने वर्ष 2015 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के एक लिफ्ट में ''फंस'' जाने की घटना का जिक्र करते हुए सोमवार को उन पर निशाना साधा।

दो दिन पहले यहां पालीगंज में आयोजित एक रैली में शाह ने राजद पर जमीन हड़पने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगाया था और ''उन्हें उल्टा लटकाकर सीधा करने'' की बात कही थी। प्रसाद, शाह के इसी बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए अपनी पत्नी राबड़ी देवी, पार्टी के तीन अन्य उम्मीदवारों और सहयोगी दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के एक उम्मीदवार के नामांकन दाखिल कराने को लेकर विधानसभा परिसर पहुंचे प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, क्या वह लिफ्ट के अंदर फंस नहीं गए थे, वह फिर फंस जाएंगे।

राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद का इशारा 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान की एक घटना की ओर था, जब शाह अपनी पार्टी की चुनावी तैयारियों की समीक्षा के लिए पटना आए थे और यहां स्थित अतिथि गृह की एक लिफ्ट में आधे घंटे तक ''फंस'' गए थे। इस दौरान उनके साथ कई अन्य नेता भी थे।

अगर सीएए के कारण लोगों के साथ भेदभाव होता है, तो इसका विरोध करूंगी : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि अगर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) लोगों के समूहों के साथ भेदभाव करता है, तो वह इसका विरोध करेंगी।

सीएए और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के लिए संवेदनशील करार देते हुए बनर्जी ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव से पहले अशांति नहीं चाहती हैं। राज्य सचिवालय में जल्दबाजी में बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा, ऐसी खबरें हैं कि सीएए को अधिसूचित किया जाएगा। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि हम लोगों के साथ भेदभाव करने वाली किसी भी चीज का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा, उन्हें (केंद्र) नियम सामने आने दीजिए, फिर हम नियमों को पढ़ने के बाद इस मुद्दे पर बात करेंगे।

लोकसभा चुनावः टीएमसी मेघालय की तुरा व असम की कुछ सीटों पर उम्मीवार उतारेगी

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) मेघालय की तुरा लोकसभा सीट पर एक-दो दिन में अपने उम्मीदवार ने नाम का ऐलान कर सकती है। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पार्टी असम की दो से चार सीटों पर भी अपने उम्मीदवार उतारेगी और उनके नामों की घोषणा भी जल्द की जाएगी। उन्होंने बताया कि पार्टी की प्रदेश इकाई सीटों को अंतिम रूप देगी जो असम के अलग अलग हिस्सों में होंगी। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी ने पश्चिम बंगाल की सभी 42 सीटों पर रविवार को उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। सूत्रों ने बताया कि पार्टी तुरा सीट से अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी और प्रत्याशी के नाम का ऐलान एक-दो दिन में किया जाएगा।

आत्मनिर्भर महिलाएँ आत्मनिर्भर भारत का चेहराः गिरिराज

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार का ध्यान महिलाओं को विभिन्न तरीकों से सशक्त बनाने पर है और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 10 करोड़ से अधिक महिलाएं 'आत्मनिर्भर भारत' का चेहरा है।

'सशक्त नारी-विकसित भारत' कार्यक्रम में सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर महिलाओं की आर्थिक आजादी के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, देश में 20 करोड़ ग्रामीण परिवार हैं। हम 10 करोड़ महिलाओं तक पहुंच चुके हैं, जो अब स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं... दस करोड़ महिलाओं को सशक्त बनाया गया है। आत्मनिर्भर महिलाएं आत्मनिर्भर भारत का असली चेहरा होंगी। सिंह ने लोगों के कल्याण के लिए भाजपा सरकार की - उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत, पीएम पोषण, जल जीवन, मुद्रा योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी - योजनाओं का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को यहां 'सशक्त नारी-विकसित भारत' कार्यक्रम में भाग लिया और पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में नमो ड्रोन दीदियों द्वारा आयोजित कृषि ड्रोन प्रदर्शन देखा। नमो ड्रोन दीदी और लखपति दीदी पहल, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच आर्थिक सशक्तीकरण और वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग हैं।

यह चुनाव काम करने वाले और काम नहीं करने वालों के बीच : राजीव चंद्रशेखर

तिरुवनंतपुरम/भाषा। तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर अपने प्रतिद्वंद्वी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि यह चुनाव काम करने की राजनीति और 15 वर्ष तक काम नहीं करने वाले प्रतिनिधि के बीच होने जा रहा है। चंद्रशेखर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उन्हें लगता है कि तिरुवनंतपुरम के लोग इस बारे में अच्छी तरह से जानते हैं और जनता को पता है कि मई में किसे चुनना है। चंद्रशेखर ने कहा, निस्संदेह जनता सब जानती है। वे जानते हैं कि काम की राजनीति क्या है, कौन काम करता है और किसने 15 वर्ष तक काम नहीं किया।

बंगाल में उम्मीदवारों के चयन में टीएमसी की हताशा दिखती है : अधीर चौधरी

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अंतर्कलह की वजह से बेहद हताश हो चुकी है और पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीट पर उम्मीदवारों की उसकी पसंद से यह स्पष्ट है। टीएमसी ने रविवार को कोलकाता में एक बड़ी रैली में राज्य की सभी 42 लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इसके साथ ही उसने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सहयोगियों के लिए कोई सीट नहीं छोड़ी।

पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, आंतरिक कलह की वजह से टीएमसी की स्थिति दयनीय हो गई है।

संविधान बदलने के लिए '400 पार' की बात की जा रही है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनंत कुमार हेगड़े के बयान को लेकर सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा पर सामाजिक न्याय एवं धर्मनिरपेक्षता का विरोधी होने का आरोप लगाया और दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में 400 सीट की बात जा रही है, ताकि संविधान बदला जा सके।

भाजपा सांसद हेगड़े ने रविवार को कहा था कि प्रस्तावना से 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को हटाने के लिए भाजपा संविधान में संशोधन करेगी। उन्होंने लोगों से लोकसभा में भाजपा को दो-तिहाई बहुमत देने का आह्वान किया था, ताकि देश के संविधान में संशोधन किया जा सके। भाजपा ने हेगड़े के बयान को उनका 'निजी विचार' करार दिया है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री एक तरफ बात करते हैं कि संविधान नहीं बदलेगा, लेकिन अपने लोगों से कहलवाते हैं कि 400 सीट दो, ताकि संविधान बदला जा सके। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा, ये लोग सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं, संविधान में 'धर्मनिरपेक्षता' शब्द के खिलाफ हैं...इनकी मानसिकता बुरी है और इससे देश में हंगामा मचेगा। उन्होंने सवाल किया, एससी, एसटी का आरक्षण संविधान में दिया गया है। आप क्या बदलना चाहते हैं?

भारोत्तोलक मीराबाई ओलंपिक से पहले पेरिस में करेंगी अभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व विश्व चैंपियन भारोत्तोलक मीराबाई चानू के ओलंपिक खेलों से पहले पेरिस में अभ्यास करने के प्रस्ताव को भारत सरकार ने सोमवार को मंजूरी दे दी। केन्द्रीय खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के एक बयान के अनुसार टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता पेरिस के ला फेर्टे-मिलन में एक महीने तक अभ्यास करेंगी। इस दौरान वह मौसम के अनुकूल ढलने के साथ ओलंपिक की तैयारियों को पुख्ता करेंगी।

इस 29 साल की भारोत्तोलक के साथ दो कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट भी होंगे। सरकार 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स)' के तहत 49 किग्रा भार वर्ग में चुनौती पेश करने वाली मीराबाई और उनके सहयोगियों के हवाई टिकट, वीजा शुल्क, आवास, भोजन, प्रशिक्षण, स्थानीय परिवहन और चिकित्सा बीमा सहित अन्य खर्चों का वहन करेगी। मिशन ओलंपिक सेल ने घुड़सवार अनूश अग्रवाला के आठ प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने और घोड़ों के लिए उपकरण खरीदने के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी। उन्होंने बताया, टॉप्स उनके और उनके कोच के आवास, प्रवेश शुल्क, दो घोड़ों के चारे की लागत, कोच की फीस और घोड़े की देखभाल की लागत सहित अन्य खर्चों का वहन करेगा।

भारत की प्रगति यात्रा
समृद्धि की ओर निरंतर अग्रसर है।
इस प्रगति मार्च में शामिल हों।
आपके कर इस मार्ग को प्रशस्त करते हैं।

आपके
अग्रिम कर
की चौथी किस्त का
15 मार्च, 2024
तक भुगतान करें।

अग्रिम कर के भुगतान के लिए दायी करदाता
वेतनभोगी कर्मचारी सहित, कोई भी निर्धारिती, जिसके स्रोत पर काटे गये/संग्रहित किए गए कर के पश्चात्, वित्तीय वर्ष के लिए करदेयता रु. 10,000/- या इससे अधिक है।
ऐसे निवासी वरिष्ठ नागरिक, जिनकी कारोबार/व्यवसाय से आय नहीं है, वे भुगतान के लिए दायी नहीं हैं।

भुगतान की विधि
सभी कॉरपोरेट्स तथा ऐसे निर्धारिती जिनके खातों की आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44AB के तहत लेखापरीक्षा की जानी अपेक्षित है, के लिए ई-भुगतान अनिवार्य है।
ई-भुगतान अन्य करदाताओं के लिए भी सुविधाजनक है क्योंकि यह सही क्रेडिट सुनिश्चित करता है।

नियत समय
देय तिथि: 15 मार्च, 2024 को या उससे पहले
राशि: देय अग्रिम कर का 100%

अग्रिम कर का भुगतान न करने या देरी से करने पर ब्याज लगाया जाएगा।

cbc 15401/13/0023/2324

ई-ब्रोशर के लिए, क्यूआर कोड स्कैन करें
आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
कृपया अधिक जानकारी के लिए www.incometax.gov.in पर जाएं
अधिक जानकारी के लिए, क्यूआर कोड स्कैन करे
@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndia.Official @incometaxindiaofficial @IncomeTaxIndia @Income Tax India Official

सुविचार

जिंदगी खेलती उसी के साथ है, जो खिलाड़ी बेहतरीन होता है, दर्द सब के एक से है, लेकिन हौसला सब के अलग-अलग है, कोई हताश होकर बिखर जाता है, तो कोई संघर्ष करके निखर जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई सीएनएन की रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत के हस्तक्षेप से करोड़ों लोगों का जीवन बच गया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर परमाणु हमले का मंसूबा बना चुके थे! इस रिपोर्ट को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता, क्योंकि पुतिन को उनके बचपन से जानने वाले लोग कहते हैं कि वे इस सोच में विश्वास रखते हैं कि अगर लड़ाई होनी तय हो तो पहला मुक्का पड़ने का इंतजार नहीं करना चाहिए। पुतिन ने जिस तरह यूक्रेन पर हमला बोला, उससे दोनों ओर जन-धन का भारी नुकसान हुआ। यूक्रेन क्षेत्रफल, सैन्य शक्ति और संसाधनों के मामले में रूस से बहुत छोटा है, लेकिन उसने डटकर मुकाबला किया। अब तक इस युद्ध का निर्णय नहीं हो सका है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो पुतिन के सामने कह दिया था कि यह युद्ध का समय नहीं है। उनके इस बयान को वैश्विक स्तर पर सराहा गया था। भारत का रुख इन दोनों देशों के बीच टकराव को टालने और शांति स्थापना के प्रयासों पर जोर देने का रहा है। पुतिन के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि उन्होंने युद्ध में अरबों डॉलर और हथियार झोंक दिए, बहुत बड़ी तादाद में रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं, लेकिन मनचाहे नतीजे नहीं मिल रहे हैं। पुतिन अपनी 'विजेता' की छवि बनाए रखना चाहते हैं। जैसे-जैसे युद्ध लंबा खिंचता जा रहा है, उनकी इस छवि पर भी चोट पड़ती जा रही है। कोई आश्चर्य नहीं, अगर उन्होंने साल 2022 में यूक्रेन पर परमाणु हमले का इरादा कर लिया हो।

जब रूस ने धावा बोला था, तब कई विश्लेषकों को लगा था कि यूक्रेन ज्यादा दिन नहीं टिक पाएगा, पुतिन एक पखवाड़े या एक महीने में उसकी सेना से घुटने टिकवा देंगे, लेकिन हुआ इसका उल्टा। रूसी सेना की 'तूफानी रफ्तार' थम गई थी। उस पर ड्रोन हमले होने लगे थे। जमीन पर भी यूक्रेन की ओर से भरपूर जवाब दिया गया। खासतौर से खेरसॉन में स्थिति अत्यधिक चिंताजनक थी। वहां रूस की अग्रिम रक्षा पंक्तियों पर तबाह होने का खतरा मंडरा रहा था। हजारों रूसी सैनिकों के जान गंवाने की आशंका थी। रूस में अंदरूनी हालात बिगड़ते जा रहे थे। हजारों की तादाद में नागरिक दूर-दराज के इलाकों में जाने लगे थे, क्योंकि उन्हें भय था कि पुतिन के आदेश पर जबरन फौज में भर्ती कर लिया जाएगा। लोगों ने मोर्चे पर जाने से बचने के लिए कई तरह के बहाने बनाने शुरू कर दिए थे। यही नहीं, पुतिन के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए थे। ऐसे में रूसी राष्ट्रपति पर बहुत दबाव था कि वे कुछ बड़ा करें, निर्णायक करें, जिससे उनकी छवि 'महान और अजेय' नेता के तौर पर बनी रहे। निश्चित रूप से परमाणु हमला वह विकल्प हो सकता था, जिससे पुतिन अपनी छवि को चमकाने की कोशिश करते, लेकिन उसका नतीजा भयंकर होता। पुतिन यूक्रेन पर परमाणु हमला कर खुद निश्चिंत नहीं हो सकते थे। उसके बाद अमेरिका के नेतृत्व में रूस पर 'घातक हमला' हो सकता था। इस समूचे घटनाक्रम में हजारों या लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों लोग जान से हाथ धो बैठते। उस तबाही के निशान सदियों तक पीछा नहीं छोड़ते। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान के हिरोशिमा व नागासाकी में परमाणु हथियारों के दुष्परिणाम सब देख चुके हैं। आज जो परमाणु हथियार मौजूद हैं, वे उनसे कई गुणा ज्यादा शक्तिशाली हैं, लिहाजा कई गुणा ज्यादा तबाही मचा सकते हैं। ऐसे हमले को टालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का मतलब है- 'करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा करना।' भविष्य में जब आधिकारिक दस्तावेज पूरे सबूतों के साथ सार्वजनिक किए जाएंगे तो दुनिया जानेगी कि भारत ने कितने बड़े संकट को टाल दिया था।

ट्वीटर टॉक

जहां द्वारका एक्सप्रेसवे का निर्माण हुआ है, एक समय शाम ढलने के बाद लोग इधर आने से बचते थे। टैक्सी ड्राइवर भी मना कर देते थे कि इधर नहीं आना है। इस पूरे इलाके को असुरक्षित समझ जाता था, लेकिन आज कई बड़ी कंपनियां यहां आकर अपने प्रोजेक्ट लग रही है।

-सीपी जोशी

नए भारत की नमो ड्रोन दीदियों पर हर देशवासी को गर्व है! आज पूरा देश हमारी ड्रोन दीदियों के कौशल का साक्षी बना। जिन्हें हमारी बहन-बेटियों के कौशल पर भरोसा नहीं था, उन्हें देश की सशक्त होती नारीशक्ति की इन तस्वीरों को जरूर देखना चाहिए।

-नरेन्द्र मोदी

शताब्दियों की प्रतीक्षा, प्रण और प्रार्थना के उपरांत आज श्री अयोध्या धाम में केबिनेट के मंत्रीगणों, विधायकगणों व प्रदेश पदाधिकारियों के साथ असंख्य भक्तों की आस्था के अवलंब प्रभु श्री रामलला सरकार के पुण्य दर्शन करने का अति विशेष - अति पावन सौभाग्य प्राप्त हुआ।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

काया का भ्रामक मोह

वासव नामक भिक्षु बुद्ध का प्रिय शिष्य था। बुद्ध उसे प्रचार प्रसार के लिए दूर दराज के गांवों में भेजा करते थे। एक बार वासव बीमार पड़ा। उसे लगा,वह अब नहीं बचेगा। उसने अपने एक साथी भिक्षु द्वारा इच्छा प्रकट की कि वह अपने अंतिम समय में भगवान को अपने सम्मुख देखना चाहता है। वासव की अंतिम इच्छा का विवरण बुद्ध को सुनाया गया तो बुद्ध उसकी इच्छापूर्ति हेतु उससे मिलने चले आए। बुद्ध को ससंघ अपने समीप आते देख कर वासव उठने की चेष्टा करने लगा ताकि बुद्ध को उचित आसन प्रदान कर सके। बुद्ध उसके सिर पर हाथ फेरकर उसे रोकते हुए उसके समीप बिछे आसन पर बैठ गए। वासव हर्षित स्वर में बोला- भगवन, आपसे मिलने की बड़ी इच्छा थी, जिसे आपने कृपापूर्वक पूरा कर दिया है। बुद्ध बोले, 'शांत वासव, जैसी तुम्हारी काया है, वैसी ही मेरी भी काया है। अगर तुम मुझमें धर्म को देखते हो तो धर्म को ही देखो। तुम व्यर्थ में मेरी काया को देखने की आस में बैठे थे। मैं कहीं भी होता, तुम स्मरण करते तो मैं तुम्हारे पास ही होता। याद रखो, इंसान अपने विचारों और कर्मों से ही महान बनता है। हमें भी इस काया के मोह से दूर ही रहना चाहिए।'

सामयिक

सावित्री बाई फुले : भारतवर्ष में नारी शिक्षा की प्रणेता

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

भारतीय सभ्यता संस्कृति में महिलाओं को गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त था तथा उन्हें देवी के रूप में स्मरित किया जाता था। परन्तु कालान्तर में महिलाओं से संबंधित अनेक दमनकारी रीति-रिवाज विकसित एवं पोषित हुए और उनकी स्थिति दिन-प्रतिदिन बद से बदतर होती गयी। वे जीवन के हर मोड़ पर उपेक्षा एवं भेदभाव की शिकार हुई। अनेक समाज सुधारकों ने इन कुप्रथाओं के विरूद्ध संघर्ष में अपना जीवन न्योछावर तक कर दिया। ऐसे क्रान्तिवीरों में अग्रणी थीं - क्रान्ति ज्योति सावित्री बाई फुले, जिन्होंने आजीवन महिला सशक्तिकरण एवं उनके शैक्षणिक संवर्द्धन हेतु प्रयास किए और जिसका सारगर्भित परिणाम आज हमारे सामने है।

महाराष्ट्र के सतारा जिले के नयागांव में 3 जनवरी 1831 को जन्मीं सावित्री बाई फुले को भारत में नारीवादी आंदोलन का अगुआ माना जाता है। वे स्वयं बाल-विवाह की शिकार हुई थीं, जब मात्र 9 वर्ष की आयु में उनका विवाह 13 वर्षीय बालक ज्योति राव फुले के साथ हो गया था। विवाह के समय वे निरक्षर थीं और खेती-बाड़ी के काम के साथ-साथ उनके पति ने उन्हें घर पर हीं पढ़ाया लिखाया। बाद में सावित्री बाई ने शिक्षक प्रशिक्षण कोर्स में अपना नामांकन करवाया तथा प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरान्त उन्हें भारतवर्ष की प्रथम महिला शिक्षिका एवं प्रधानाध्यापिका बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

सावित्री बाई ने सन 1848 में पूणे के भिंडेवाड़ा में बालिकाओं की शिक्षा के लिए पहला विद्यालय खोला तथा सन 1851 आते-आते उन्होने कुल 3 विद्यालय स्थापित कर लिए, जिनमें 150 बालिकाएं नामांकित थी। अपने महान समाज सुधारक पति ज्योति राव के साथ मिलकर उन्होने देश भर में 18 विद्यालयों की स्थापना की। समाज के कमजोर वर्ग की बालिकाओं को छात्रवृति देकर उन्होंने विद्यालय जाने हेतु प्रोत्साहित किया। फुले दम्पति के पढ़ाने का तरीका इतना लोकप्रिय था कि उनके विद्यालय में नामांकित बालिकाओं की संख्या सरकारी विद्यालयों में नामांकित बालकों से अधिक हो गयी थी।

शिक्षा के प्रचार प्रसार के क्रम में सावित्री बाई को किन दुश्वारियों का सामना करना पड़ा, उसका अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी लेकर अपने विद्यालय जाना पड़ता था, क्योंकि रास्ते में स्थानीय रूढ़िवादी विचारधारा के लोगों के द्वारा उनपर, पत्थर, गोबर, कीचड़, मल-मूत्र फेंके जाते थे तथा भद्दी-भद्दी गालियां दी जाती थीं। परन्तु दृढ़ इच्छाशक्ति की धनी इस लौह महिला ने हार नहीं मानी। सौभाग्यवश महिलाओं एवं अभिवंचित वर्गों के बीच शिक्षा का अलख जगाने और महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने हेतु उनकी अविराम यात्रा में उनके पति उनके हमराही थे। फुले दम्पति को अपना घर-द्वार तक छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उस जमाने में बालिकाओं को शिक्षित करना एक अकल्पनीय कार्य समझा जाता था। हालांकि इस प्रकार की धमकियां उन्हें अपने मिशन से विचलित नहीं कर पायीं।

सिर्फ महिलाओं की शिक्षा हीं सावित्री बाई का

लक्ष्य नहीं था। उन्होने सामाजिक कुरीतियों यथा- बाल विवाह, सती प्रथा तथा जाति-व्यवस्था के विरूद्ध लम्बी लड़ाई लड़ी तथा महिलाओं के अधिकारों की वकालत करनेवालों में प्रमुख रहीं। उन्होने जाति प्रथा के विरोध स्वरूप अभिवंचित वर्ग के लोगों को पीने का पानी मुहैया करने के उद्देश्य से अपने घर के पास एक कुंआ खुदवाया तथा बलात्कार की शिकार गभर्वती महिलाओं के लिए बालहत्या प्रतिबंधक गृह नामक देखभाल केन्द्र की स्थापना की। उन्होने महिलाओं के एक स्थान पर इकट्ठा होने एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक महिला सेवा मंडल की स्थापना भी की। अपने पति के द्वारा स्थापित सामाजिक संस्था सत्य शोधक मंडल के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष थीं। नारीमुक्ति आंदोलन की नेत्री होने के साथ-साथ सावित्री बाई एक प्लेग-योद्धा भी थीं। सन 1897 में नालासोपरा के आसपास के क्षेत्रों में वैश्विक बुबोनिक प्लेग महामारी से पीड़ित लोगों के सेवार्थ उन्होंने अपने दत्तक पुत्र यशवंत के साथ मिलकर एक क्लीनिक खोला। प्लेग पीड़ितों की सेवा के दौरान वे एक रोगी के शारीरिक संपर्क मे आ गयी। परिणामस्वरूप वे भी प्लेग की चपेट में आ गयीं, जो अंततः 10 मार्च 1897 को उनके आकस्मिक मृत्यु का कारण बन गया।

सावित्री बाई सामाजिक न्याय की कट्टर पक्षधर होने के साथ-साथ एक लेखिका एवं कवयित्री भी थीं, जिन्होने समाज में व्याप्त ब्राह्मणवादी आधिपत्य पर प्रश्न उठाया। उन्होंने 1854 में काव्य फुले तथा 1892 में बावन काशी सुबोध रत्नाकर का प्रकाशन किया। उन्होंने गो, गेट एजुकेशन नामक एक कविता की रचना की, जिसमें समाज के अभिवंचित वर्ग के लोगों को शिक्षा प्राप्त कर स्वयं को मुक्त करने की अपील की गयी है। उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया तथा भूत, वर्तमान एवं भविष्य तीनों काल खंडों में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। भारत की प्रथम शिक्षिका होने के नाते उनका जन्म दिवस राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए था, पर दुर्भाग्यवश ऐसे सुअवसरों को राजनैतिक दिग्गजों के द्वारा हड़प लिया गया है।

सावित्री बाई फुले उन प्रख्यात हस्तियों में से एक हैं, जिनकी स्मृति हमारे राष्ट्र का सदैव मार्गदर्शन करती रहेगी। भारतवासी उनके जन्म दिवस एवं पुण्य तिथि पर उन्हें इस श्रद्धा एवं विश्वास के साथ श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में उनके द्वारा कृत कार्य एवं विचार आगे आने वाले वर्षों में हमारे लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

मंथन

ममता बनर्जी ने कांग्रेस को दिखाई औकात

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी ने बंगाल में अपने 42 लोकसभा उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा करकांग्रेस को उसकी औकात दिखा दी। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन को बंगाल में जोरदार झटका लगा है। कांग्रेस नेताओं की इस पर भिन्न भिन्न प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही है। बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता को धोखेबाज़ घोषित किया है। अधीर रंजन की सीट बहरामपुर से तृणमूल ने क्रिकेटर यूसुफ पठान को टिकट दिया है। अधीर रंजन लगातार 5वीं बार यहां से सांसद बने। ममता बनर्जी ने तगड़ा दांव चलते हुए पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान को उनके मुकाबले में उतार दिया। अधीर रंजन चौधरी हमेशा से तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी करते रहे। उन्होंने इस गठबंधन का लगातार विरोध किया। एकबार तो उन्होंने बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग भी की थी। 2019 लोकसभा चुनाव में अधीर रंजन ने 45.43 फीसदी वोट हासिल कर शानदार जीत दर्ज की थी। वहीं तृणमूल कांग्रेस 39.23 फीसदी और बीजेपी को 10.99 फीसदी वोट मिले थे। इस क्षेत्र में मुस्लिम वोटरों को ज्यादा संख्या को ध्यान में रखते हुए ही तृणमूल ने मुस्लिम कार्ड चला है। पार्टी को लग रहा कि यूसुफ पठान के चुनाव मैदान में आने से वोट बंट सकते हैं। ऐसे में अधीर रंजन की सीट फंस सकती है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से साफ कर दिया गया था कि कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं होने में बड़ा रोल अधीर रंजन चौधरी का था। तृणमूल की ओर से उम्मीदवारों के नामों का ऐलान करने के बाद कांग्रेस ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी ने साबित कर दिया कि किसी भी राजनीतिक नेता या पार्टी को उन पर भरोसा नहीं करना चाहिए। इसके विपरीत कांग्रेस के कई अन्य नेताओं ने कहा ममता इण्डिया गठबंधन की हिस्सा है। कांग्रेस लगातार इस कोशिश में थी ममता बनर्जी से वार्ता कर उन्हें गठबंधन में जोड़े रखा जाए। मगर ममता के मन की थाह लेने में कांग्रेस चूक गई। बंगाल की सभी 42 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस ने अपने कैंडिडेट उतार भी दिए और कांग्रेस देखती रह गई।

तृणमूल कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा से इंडिया गठबंधन को एक के बाद एक झटके लग रहे है। लगता है राहुल गांधी की न्याय यात्रा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को कोई

नवजीवन नहीं दे पाई है। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पाला बदलने से इंडिया ब्लाक सदमे में है। इससे कांग्रेस की आशाओं का तुषारापात तो हुआ ही है, वहीं लालू यादव का अपने पुत्र तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने का सपना भी चकनाचूर हो गया। रही सही कसर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अकेले चलो का एलान कर पूरी कर दी है। लोकसभा चुनाव अब दूर नहीं है। एनडीए लगातार मजबूती की ओर अग्रसर है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से भाजपा को बुस्टर डोज़ लगा है। कांग्रेस अपने गठबंधन को आज तक सियासी चुनावी मोड़ पर नहीं पहुंचा पाई है।

बंगाल में इंडिया ब्लॉक बिखर चुका है। पश्चिम बंगाल में लोकसभा की 42 सीटें है। इनमें से पिछले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 22, भजपा ने 18 और कांग्रेस ने 2 सीटें हासिल की थी। यहां लाख कोशिशों के बाद भी इंडिया ब्लॉक में एकजुटता स्थापित नहीं हो पायी। वामपंथी पार्टियों का पहले से ही ममता से छतीस से आंकड़ा है। ममता ने आरोप लगाया है वामपंथियों ने बंगाल में खून की नदियां बहाई थी इसलिए उनसे किसी प्रकार का समझौता नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने माकपा, कांग्रेस और भाजपा पर पश्चिम बंगाल में मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा तीनों गठबंधन बनाकर हमारे खिलाफ प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने साफतौर पर कह दिया बंगाल में भाजपा के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस लड़ेगी, क्योंकि वही भाजपा को सबक सीखा सकती है। ममता लगातार मोदी पर हमला करने वाली नेत्री के रूप में प्रसिद्ध है। ममता ने प्रधान मंत्री मोदी की सबसे बड़ी आलोचक के रूप में अपनी छवि बनाई है। वे लगभग हर मामले में मोदी की आलोचना से नहीं चूकती। गौरतलब है बंगाल की कुल 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर भाजपा का कब्ज़ा है। अगले चुनाव में भाजपा इन सीटों में बढ़ोतरी का प्रयास कर रही है वहीं ममता की पार्टी भाजपा से इन सीटों को छीनने के लिए हर संभव प्रयास में जुटी है।

नजरिया

राजस्थान में कांग्रेस उतारेगी हैवीवेट प्रत्याशी

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में राजस्थान के लिए अभी किसी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। जबकि भाजपा ने 25 में से 15 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। कांग्रेस चुनाव समिति की तरफ से अभी तक देश भर में कुल 39 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई है। आने वाले एक-दो दिनों में कांग्रेस पार्टी द्वारा कई अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाने वाली है। जिसमें राजस्थान के प्रत्याशियों के नाम भी शामिल होने की बात कही जा रही है। राजस्थान में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा में देरी के पीछे कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश में दो क्षेत्रीय दलों से चुनावी गठबंधन करने की संभावना को बताया जा रहा है।

राजस्थान में पिछले दो बार से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का खाता भी नहीं खुल पाया था। प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर दोनों बार भाजपा के प्रत्याशी जीते थे। मगर इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ऐसे प्रत्याशियों को मैदान में उतरना चाहती है जो भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर तो देंगे ही साथ ही प्रदेश में जीत का खाता भी खोल सकेंगे। तीन महीने पहले विधानसभा चुनाव में हार चुकी कांग्रेस पार्टी के पास अब प्रदेश में खोने को कुछ नहीं बचा है।

ऐसे में कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं का मानना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चलते हुए पूरी ताकत के साथ चुनाव लडेगी। इसी श्रृंखला में कांग्रेस के सभी प्रदेश स्तरीय बड़े नेताओं को भी चुनाव मैदान में उतार जायेगा। हालांकि कांग्रेस के कई बड़े नेता लोकसभा चुनाव लड़ने में आनाकानी कर रहे हैं। मगर कांग्रेस आलाकमान ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मैदान में उतारा है। उसको देखकर लगता है कि अब राजस्थान में भी कांग्रेस के बड़े नेताओं को चुनाव लड़ना ही पड़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। मगर उनके गृह क्षेत्र जोधपुर में दो बार से लगातार कांग्रेस हार रही है। पिछली बार तो उनके पुत्र वैभव गहलोत भाजपा के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से करीबन 3 लाख से अधिक मतों से चुनाव हार गए थे। इसलिए इस बार कांग्रेस आलाकमान स्वयं अशोक गहलोत को जोधपुर से चुनाव मैदान में उतारने जा रहा है। अशोक गहलोत जोधपुर से पांच बार सांसद तथा जोधपुर संसदीय क्षेत्र के ही सरदारपुर से छठी बार विधायक बने हैं। ऐसे में अशोक गहलोत के खुद के चुनाव लड़ने से चुनावी मुकाबला कांटे का होने की संभावना जताई जा रही है। अशोक गहलोत के लोकसभा चुनाव लड़ने का असर प्रदेश की अन्य लोकसभा सीटों पर भी पड़ेगा और कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी।

इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को टोंक-सवाई माधोपुर सीट से चुनाव मैदान में उतर जाएगा। पायलट अभी टोंक से विधायक है तथा पूर्व में दौसा व अजमेर से सांसद रह चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को सीकर लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। डोटासरा सीकर लोकसभा क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ से चौथी बार विधायक का चुनाव जीते हैं। पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गोविंद राम मेघवाल को बीकानेर सुरक्षित सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा।

पूर्व मंत्री मुरारीलाल मीणा को दौसा संसदीय सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। पिछली बार उनकी पत्नी सविता मीणा को टिकट दिया गया था जो भाजपा की जसकौर मीणा से 78444 वोटो से चुनाव हार गई थी। अजमेर से पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री रघु शर्मा को चुनाव लड़वाये जाने की चर्चा चल रही है। रघु शर्मा इस बार केकड़ी से विधानसभा चुनाव हार गये हैं। बाड़मेर से पूर्व मंत्री हरीश चौधरी को चुनाव लड़वाया जा सकता है। हरीश चौधरी अभी विधायक भी है तथा पूर्व में बाड़मेर से सांसद भी रह चुके हैं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को राजसमंद से चुनाव लड़वाया जा सकता है। सीपी जोशी पिछला विधानसभा चुनाव नाथद्वारा सीट से हार चुके हैं। वह पूर्व में कई बार विधायक व भीलवाड़ा से सांसद, केन्द्र सरकार में मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं तथा राजस्थान कांग्रेस में बड़े नेता माने जाते हैं। कोटा से पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को चुनाव लड़वाने की चर्चा चल रही है। धारीवाल वर्तमान में कोटा उत्तर से विधायक है तथा पूर्व में कोटा से सांसद, कोटा के जिला प्रमुख व कई बार मंत्री रह चुके हैं।

झालावाड़ सीट से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया का नाम चर्चाओं में है। उदयपुर सीट से रघुवीर मीणा को चुनाव लड़वाने की चर्चा है। हालांकि रघुवीर मीणा पिछले कई चुनाव हार चुके हैं मगर फिर भी वह उदयपुर से कांग्रेस के सबसे मजबूत उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं वह पूर्व में उदयपुर से सांसद हुए कई बार विधायक रह चुके हैं। महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भाजपा में जाने के बाद बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट पर मौजूदा विधायक नानालाल निभाना की दावेदारी मजबूत हो रही है। हालांकि कांग्रेस भारतीय आदिवासी पार्टी से गठबंधन पर चर्चा कर रही है। यदि गठबंधन होता है तो बांसवाड़ा सीट कांग्रेस को छोड़नी पड़ेगी। जयपुर शहर से कांग्रेस अल्पसंख्यक समाज के विधायक सलीम कागजी को चुनाव लडवा सकती है। कागजी दूसरी बार विधायक बने हैं तथा कांग्रेस में बड़े अल्पसंख्यक चेहरे हैं। अलवर से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। जितेंद्र सिंह पूर्व में अलवर से सांसद, विधायक व केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं। भीलवाड़ा से पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट तथा पाली से दिव्या मदेरणा को चुनाव लड़वाया जाएगा। झुंझुनू में पूर्व मंत्री विजेंद्र ओला को चुनाव लड़वाया जाएगा। विजेंद्र ओला के पिता शीशराम ओला झुंझुनू से लगातार पांच बार सांसद व केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। विजेन्द्र ओला अभी झुंझुनू से चौथी बार विधायक है तथा गहलोत सरकार में राज्य मंत्री थे। चूरू से भाजपा के सांसद राहुल कस्वां को कांग्रेस प्रत्याशी बन सकती है। राहुल कस्वां का भाजपा ने टिकट काट दिया है। राहुल कस्वां दूसरी बार चूरू से सांसद हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चार बार चूरू से सांसद व राजगढ़ से विधायक रह चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस चाहती है कि राहुल कस्वां कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े।

राजस्थान में कांग्रेस हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी तथा भारतीय आदिवासी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन कर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मजबूत कर चुनाव लड़ना चाहती है। हनुमान बेनीवाल नागौर व बाड़मेर सीट तथा भारतीय आदिवासी पार्टी बांसवाड़ा-डूंगरपुर तथा उदयपुर सीट मांग रही है। ऐसे में कांग्रेस के बड़े नेता दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं से बात कर गठबंधन को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। राजस्थान में दोनो क्षेत्रीय पार्टियों से गठबंधन होने की घोषणा के साथ ही कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर देगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री मोदी के अरुणाचल दौरे को लेकर चीन ने भारत के समक्ष विरोध दर्ज कराया

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले सप्ताह अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने को लेकर उसने भारत के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया है, और भारत के इस कदम से सीमा विवाद के ''केवल (और) जटिल होने'' की बात कही।

चीन ने क्षेत्र पर फिर से अपना दावा जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सेला सुरंग राष्ट्र को समर्पित की। यह सुरंग सामरिक महत्व रखने वाले तवांग तक हर मौसम में सड़क संपर्क मुहैया करेगी और इससे सीमांत क्षेत्र में सैनिकों की सुगमता से आवाजाही सुनिश्चित होने की भी उम्मीद है।

असम के तेजपुर को अरुणाचल के पश्चिम कामेंग जिले से जोड़ने वाली सड़क पर यह सुरंग बनाई गई है। इसे इतनी ऊंचाई पर स्थित विश्व की सबसे लंबी दोहरी लेन वाली सड़क सुरंग बताया जा रहा है।

सैन्य अधिकारियों के अनुसार, चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी)पर स्थित विभिन्न अग्रिम स्थानों तक सैनिकों एवं हथियार प्रणाली सेला सुरंग के जरिये सुगमता से पहुंचाई जा सकेगी।

चीन, अरुणाचल के दक्षिण तिब्बत होने का दावा करता है। वह अपने इस दावे पर जोर देने के लिए, भारतीय नेताओं के राज्य का दौरा करने पर नियमित रूप से आपत्ति जताता रहा है। बीजिंग ने इलाके का नाम जैंगनान रखा है।

वहीं, भारत ने अरुणाचल पर चीन के दावे को बार-बार खारिज करते हुए कहा है कि यह राज्य देश (भारत) का अभिन्न हिस्सा है। नई दिल्ली ने इलाके का नामकरण करने के चीन के कदम को खारिज करते हुए कहा है कि यह सच्चाई को नहीं बदल सकता।

मोदी के अरुणाचल दौरे के बारे में, सोमवार को यहां एक प्रेस वार्ता में आधिकारिक मीडिया द्वारा पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, जैंगनान इलाका चीन का भू-भाग है। उन्होंने कहा,''चीन ने भारत के तहत अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी है और इसका पुरजोर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि चीन-भारत सीमा विवाद का हल अब तक नहीं हुआ है। भारत के पास, चीन के जैंगनान के इलाके का मनमाना विकास करने का कोई अधिकार नहीं है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, भारत के संबद्ध कदम सीमा विवाद को केवल (और) जटिल करेंगे। चीन, चीन-भारत सीमा के पूर्वी खंड का प्रधानमंत्री द्वारा किए गए दौरे का दृढ़ता से विरोध करता है। वांग ने कहा, हमने भारत के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया है।

पूजा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवत रेड्डी अपनी पत्नी एम.गीता के साथ मोनाडी में भगवान श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी की पूजा करते हुए।

पाकिस्तान में हाल में हुई बारिश के कारण दिलीप कुमार का पैतृक आवास क्षतिग्रस्त

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का पैतृक आवास हाल में हुई बारिशों के चलते गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद लगभग ढहने के कगार पर है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मूसलाधार बारिश ने घर के पुनर्वास और नवीनीकरण के बारे में खैबर पख्तूनख्वा के पुरालेख विभाग के बड़े-बड़े दावों की पूरी तरह से पोल खोल दी है।

दिलीप कुमार का जन्म 1922 में पेशावर शहर के ऐतिहासिक किस्सा ख्वानी बाजार के पीछे मुहल्ला खुदादाद में स्थित इस घर में हुआ था और 1932 में भारत जाने से पहले उन्होंने अपने शुरुआती 12 साल यहीं बिताए थे।

पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इस घर को पाकिस्तान का राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित किया था। कुमार एक बार अपने घर आए थे और उन्होंने भावुक होकर वहां की मिट्टी को चूम लिया था।

खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की विरासत परिषद के सचिव शकील वहीदुल्ला खान ने कहा कि पेशावर में हाल में हुईं बारिश ने कुमार के घर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है।वर्ष 1880 में बनी इस संपत्ति के बारे में उन्होंने कहा कि खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की पिछली सरकार ने काफी सारे अनुदान देने का वादा किया था, इसके बावजूद इस राष्ट्रीय विरासत की सुरक्षा व संरक्षण के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया है।

दुनिया भर से यहां आने वाले पर्यटक ऐतिहासिक संपत्ति की जर्जर हालत देखकर निराश हो जाते हैं।

पुरालेख विभाग द्वारा घर का अधिग्रहण करने से पहले इसकी देखभाल करने वाले मुहम्मद अली मीर ने कहा कि वह बहुत सावधानी से इसकी उचित तरीके देखभाल कर रहे थे।

लोकसभा चुनाव महाभारत की तरह अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाईः नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहरामपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को आगामी लोकसभा चुनाव की महाभारत से तुलना करते हुए कहा कि चुनाव 'अच्छाई और बुराई' तथा 'न्याय एवं अन्याय' के बीच की लड़ाई होगी।

पश्चिम बंगाल के मुर्शीदाबाद जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस लड़ाई को जीतेंगे क्योंकि वह 'देश की सुरक्षा, समृद्धि और सभी के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, मोदी जी ने पांडवों की तरह ही न्याय, नैतिकता और सच्चाई का ध्वज धारण कर रखा है। उन्होंने नकली धर्मनिरपेक्ष लोगों के राजनीतिक पूर्वाग्रह को सभी के लिए समान विकास को प्राथमिकता देकर बदल दिया है। हालांकि, कौरव भारत के वैश्विक गौरव को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा नेता जिला मुख्यालय बहरामपुर पर पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन, कोर कमेटी और चुनाव प्रबंधन समिति और अन्य चुनाव संबंधी कार्यक्रम की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रगति के रास्ते से सभी बाधाओं को दूर करके मोदी देश की दिव्यता और गरिमा को बनाए हुए हैं।

कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए, नकवी ने कहा कि 'वंशवाद का गिरोह' 'लोकतंत्र के गौरव' का अपहरण नहीं कर सकता।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर हमला करते हुए नकवी ने कहा कि 'कांग्रेस का गोदी गिरोह' 'भ्रष्टाचारियों का गठजोड़' बन गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मोदी का करिश्मा हर किसी पर हावी रहेगा।

नकवी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय ने भाजपा को हराने के अपने ''फैशन'' (चलन) को भाजपा का समर्थन करने के ''पैशन'' (जुनून) में बदल दिया है।

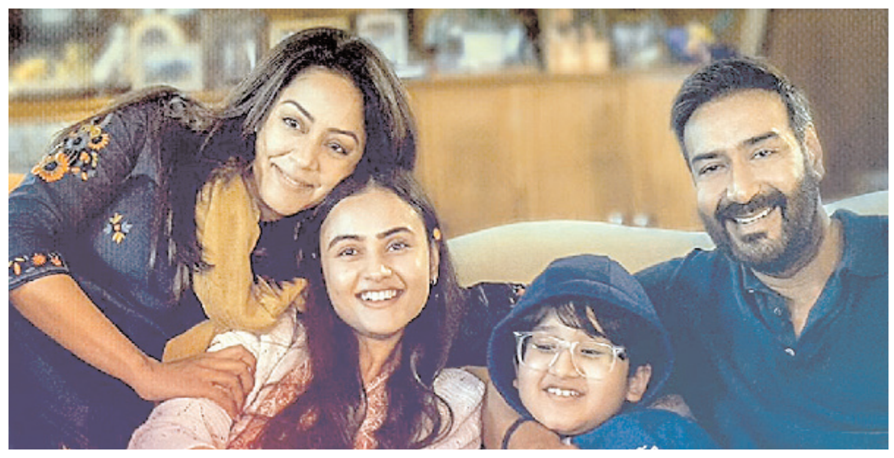

तीन दिन में 50 करोड़ के पार हुई 'शैतान', भोला को छोड़ा पीछे

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन और आर. माधवन की फिल्म 'शैतान' से इन दिनों सिनेमाघरों की रौनक बढ़ गई है। दर्शक फिल्म पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और थिएटर की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। उन्हें लीक से हटकर बनाई गई इस फिल्म की कहानी आकर्षित कर रही है। फिल्म 8 मार्च को रिलीज हुई थी। इसने तीन दिन में ही भारत में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपए का खास आंकड़ा छू लिया है। 'शैतान' ने ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

इसके बाद शनिवार को भी इसका जादू बरकरार रहा और इसने 18.75 करोड़ रुपए अपनी झोली में डाल लिए। अब तीसरे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक इसने रविवार (10 मार्च) को 20 करोड़ रुपए कमाए। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 53.50 करोड़ रुपए पहुंच गई है। इस मामले में अजय की ही फिल्म 'भोला' पिछड़ गई जो पिछले साल 30 मार्च को रिलीज हुई थी। 'भोला' ने तीन दिन में 30.8 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। 'शैतान' ने पूरी दुनिया में 60 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके डायरेक्टर विकास बहल और प्रोड्यूसर अजय देवगन हैं।

फिल्म 'द गोट लाइफ' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जाने माने अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की आने वाली फिल्म 'द गोट लाइफ' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। पृथ्वीराज सुकुमारन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'द गोट लाइफ' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 'द गोट लाइफ' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन बेहतर जीवन के तलाश में जुटे हुए हैं, लेकिन उनके सामने जीवन की कई मुश्किलें सामने आ रही हैं और वे खुद भी कष्टों में जूझ रहे हैं। फिल्म 'द गोट लाइफ' लोकप्रिय बेस्टसेलर उपन्यास 'आदु जीविथम' पर आधारित है। मशहूर लेखक बेन्यामिन द्वारा लिखित यह उपन्यास एक युवक नजीब के जीवन की सच्ची कहानी है, जो 90 के दशक की शुरुआत में विदेश में भाग्य की तलाश में केरल के हरे-भरे तटों से पलायन करता है। पृथ्वीराज सुकुमारन ने कहा कि यह एक लंबी यात्रा रही है और आसान नहीं है। एक दशक के लंबे इंतजार के बाद दर्शकों को हमारी कड़ी मेहनत और उथल-पुथल का फल देखने को मिलता है। कोविड के दिनों से लेकर आज तक 'द गोट लाइफ' एक अप्रत्याशित और अविस्मरणीय यात्रा रही है। एआर रहमान जैसे उस्ताद को संगीत को जीवंत करते देखना सम्मान की बात है। द गोट लाइफ हमारे लिए सिर्फ एक फिल्म से कहीं अधिक है, यह एक ऐसी कहानी है, जिसने हमारे दिलों को छू लिया है और हमेशा हमारे साथ रहेगी।

हमें उम्मीद है कि दर्शकों को भी ऐसा ही महसूस होगा।' विजुअल रोमांस द्वारा निर्मित 'द गोट लाइफ' में पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ हॉलीवुड अभिनेता जिमी जीन-लुई, अमला पॉल और केआर गोकुल, तालिब अल बलुशी और रिक एबी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत निर्देशन एआर रहमान ने किया है। यह फिल्म 28 मार्च को रिलीज होने वाली है।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' साबित करेंगे बहुमत

काठमांडू/भाषा। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' बुधवार को प्रतिनिधि सभा में बहुमत साबित करेंगे। कुछ दिन पहले उन्होंने नेपाली कांग्रेस से नाता तोड़कर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्कसिस्ट-लेनिनिस्ट) (सीपीएन-यूएमएस) के साथ नया गठबंधन किया था। प्रतिनिधि सभा में तीसरे सबसे बड़े दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेता प्रचंड ने रविवार को इस संबंध में संसदीय सचिवालय को एक पत्र भेजा था। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, किसी भी सहयोगी दल के समर्थन वापस लेने के बाद प्रधानमंत्री को विश्वास मत हासिल करना होता है। प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़े दल नेपाली कांग्रेस का समर्थन खोने के बाद प्रचंड के लिए बहुमत साबित करना आवश्यक है।

नई सरकार को विश्वास मत साबित करने के लिए 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में कम से कम 138 वोटों की आवश्यकता है।

प्रचंड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को फिलहाल संसद के निचले सदन में 150 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। प्रतिनिधि सभा में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी, पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल के पास 76 सीटें हैं, जबकि तीसरी सबसे बड़ी पार्टी सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के पास 32 सीटें हैं। इसी तरह, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट के पास क्रमशः 20, 12 और 10 सीटें हैं।

संचालन

हैदराबाद में पोषण विशेषज्ञ, लेखिका और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिवक्ता रुजुता दिवाकर ने सोमवार को एफएलओ हैदराबाद चैप्टर में मंत्रा स्वास्थ्य, सौंदर्य और हार्मोन का संचालन किया।

फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' में स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आयेंगे इमरान हाशमी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी अपनी आने वाली फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आयेंगे। करण जौहर के धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' में सारा अली खान की मुख्य भूमिका है।'ऐ वतन मेरे वतन' की कहानी उस हीरो की है, जिसके रेडियो ने ब्रिटिश राज को हिलाकर रख दिया था। इस फिल्म में इमरान हाशमी गेस्ट अपीयरेंस में हैं, जो फिल्म में स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आयेंगे।प्राइम वीडियो ने एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें राम मनोहर लोहिया के रूप में इमरान हाशमी नजर आ रहे है।

इमरान हाशमी ने कहा, मैंने पहले कभी स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका नहीं निभाई है, और राम मनोहर लोहिया के रूप में खुद को ढ़ालने का मौका मिलना एक बेहद सम्मान की बात थी। मैंने कन्नन और दरब के साथ मिलकर काम किया और उनके द्वारा की गई व्यापक रिसर्च को समझने की कोशिश की, लोहिया जी के इतिहास और यात्रा को समझा और उसमें अपना अंदाज जोड़ा।मैं दर्शकों को मुझे इस नए रूप में देखने का इंतजार कर रहा हूं। ऐसी कहानी का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है जिसे न केवल बताया जाना चाहिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित किया जाएगा। कन्नन अय्यर के निर्देशन में बनी ए वतन मेरे वतन में सारा अली खान के अलावा सचिन खेडेकर, अभय वर्मा, स्पर्श श्रीवास्तव, एलेक्स ओ'नील और आनंद तिवारी भी हैं। 'ऐ वतन मेरे वतन' को करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने बनाया है।

फिल्म 'बड़े घर की बेटी' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

बी4यू मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत नीलम तिवारी फिल्म प्राइवेट लिमिटेड (ओपीसी) के बैनर से बनने वाली भोजपुरी फिल्म बड़े घर की बेटी की शूटिंग शुरू हो गई है। बड़े घर की बेटी में अंजना सिंह और यामिनी सिंह मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। इस फिल्म के निर्माता संदीप सिंह, अंजनी तिवारी और नीलाभ तिवारी हैं, जबकि निर्देशक संजीव बोहरपी हैं। फिल्म के निर्देशक संजीव बोहरपी ने बताया कि फिल्म की शूटिंग जोरों शोरों से चल रही है। इस फिल्म की कहानी दर्शकों के दिलों को छू लेगी। उन्होंने कहा कि बचपन में मुंशी प्रेमचंद की कहानी बड़े घर की बेटी पढ़ा था, फिर इस टाइटल से हिंदी सिनेमा में एक फिल्म भी बनी थी। लेकिन हमारी यह फिल्म इन दोनों से काफी अलग है और फ्रेश कहानी के साथ हम दर्शकों के सामने आएंगे। फिल्म की कास्टिंग भी कहानी के हिसाब से ही की गई है इसलिए हमें लगता है कि यह फिल्म दर्शकों के साथ-साथ क्रिटिक्स को भी पसंद आएगी।

वहीं फिल्म को लेकर अंजना सिंह ने कहा कि कथ्य प्रधान फिल्मों में काम करने का अपना ही अंदाज होता है। मैंने भोजपुरी में बहुत सारी फिल्में की है, लेकिन यह फिल्म उन सभी फिल्मों से अलग है और मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी रिलीज होगी, दर्शक इसे जरूर सिनेमाघर में जाकर देखेंगे। यामिनी सिंह ने भी इस फिल्म को लेकर अपने एक्साइटमेंट का इजहार किया और कहा कि अलग-अलग तरह की कहानी के किरदार को जीना मेरी प्राथमिकता रही है। उम्मीद है यह फिल्म भी दर्शकों को बेहद पसंद आए।

फिल्म बड़े घर की बेटी का कथा संवाद अरविंद तिवारी ने लिखा है और कला अंजनी तिवारी का है। डीओपी विजय मंडल का है। नृत्य कानू मुख़र्जी, सोनू प्रीतम, संगीत साजन मिश्रा और गीत प्यारेलाल यादव, अरबिंद तिवारी का है। फिल्म के कार्यकारी निर्माता-अभिषेक त्रिपाठी हैं।इस फिल्म में अंजना सिंह, यामिनी सिंह, अविनाश साही राकेश बाबू , संतोष श्रीवास्तव , प्रेम दुबे,कंचन मिश्रा, सोनाली मि मिश्रा मिश्रा,भूपेंद्र सिंह बीना पांडे मुख्य भूमिका में हैं।

पटना शुक्ला में अन्याय के खिलाफ लड़ती नजर आएंगी रवीना टंडन

मुंबई/एजेन्सी

सुपरस्टार सलमान खान ने रवीना टंडन की अपकमिंग फिल्म 'पटना शुक्ला' का ट्रेलर जारी किया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस अन्याय के खिलाफ एक छात्रा के लिए केस लड़ती नजर आएंगी। पटना शुक्ला एक आम महिला तन्वी शुक्ला (रवीना) की कहानी है जो उसी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। रवीना फिल्म में एक छात्रा का केस लड़ेंगी, जिसे भरोसा है कि उसने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया, मगर उसे उसके हिसाब से नंबर नहीं मिले। एक्स पर सलमान खान ने एक मिनट और 54 सेकंड का वीडियो शेयर किया है जिसकी शुरुआत तन्वी के रूप में रवीना के मेहमानों को चाय और नाश्ता परोसने से शुरू होती है। वह कहती है कि हम सिर्फ हाउसवाइफ नहीं हैं, जिस पर एक आदमी जवाब देता है, तन्वी भाभी वकील भी हैं। तन्वी के पति का किरदार निभाने वाले मानव विज कहते हैं, ये एफिडेविट बहुत अच्छा बनाती हैं। वीडियो में एक छात्रा को दिखाया गया है, जो परीक्षा रोल नंबर घोटाले से संबंधित अपना केस लड़ने के लिए तन्वी के पास आती है।

स्निपेट में जतिन गोस्वामी को एक राजनेता के रूप में दिखाया गया है जो तन्वी को रिंकी कुमारी (अनुष्का कौशिक) का मामला छोड़ने की धमकी दे रहा है। तन्वी जवाब देती है कि क्या कर लेंगे आप, मरवा देंगे? जतिन कहते हैं कि हम आज कल के नेता हैं, अवैध काम वैध तरीके से करते हैं। इसमें आगे दिखाया गया है कि कैसे इस केस की वजह से तन्वी के पति की नौकरी चली जाती है।

वीडियो तन्वी के यह कहने के साथ समाप्त होता है कि हम नहीं झुकेंगे। वीडियो शेयर करते हुए सलमान ने लिखा कि रोल-नंबर स्कैम है केस जिनका अगला, स्वागत करो रवीना का 'पटना शुक्ला' में। रवीना ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि अन्याय से दबी आवाज के लिए, न्याय का आगाज करने आ रही है तन्वी। यह फिल्म रोल नंबरों के शिक्षा घोटाले पर प्रकाश डालती है जो भारत में हजारों ईमानदार छात्रों के जीवन को प्रभावित करता है। यह दो महिलाओं की दिल छू लेने वाली कहानी है जो दबावों और मातृत्व की जिम्मेदारियों से निपटते हुए न्याय के लिए लड़ने के लिए आगे बढ़ती हैं। फिल्म में चंदन रॉय सान्याल और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक भी हैं। अरबाज खान प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित और विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित, कोर्ट रूम ड्रामा 29 मार्च से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आएगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

भगवान महावीर ने पुस्तक की सुरक्षा के लिए कवर की, शरीर की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य की नितान्त आवश्यकता बताई, वैसे ही जीवन की सुरक्षा व इहलोक एवं परलोक की सुरक्षा के लिए धर्म की आवश्यकता है। धर्म के क्षेत्र में छलावा या प्रदर्शन न हो। छल कपट, प्रपंच न हो। आत्मशुद्धि का साधन ही धर्म है।

ईशा महाशिवरात्रि 2024

शंकर महादेवन से लेकर धारावी रैपर्स तक कलाकारों ने दी प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। ईशा योग केंद्र में महाशिवरात्रि उत्सव में शुक्रवार की रात दुनिया भर के प्रसिद्ध कलाकारों से लेकर लोक कलाकारों, हिप-हॉप, रैप कलाकारों, ड्रमर्स और बैंड तक ने विविध प्रकार के प्रदर्शन प्रस्तुत किए। रात भर चलने वाले उत्सव की शुरुआत आदियोगी दिव्य दर्शनम और ईशा के घरेलू बैंड 'साउंड्स ऑफ ईशा' के गीतों के साथ हुई। कलाकारों का प्रदर्शन इंडियन आइडल 12 के विजेता पवनदीप राजन के मनमोहक प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ, जिनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने उत्सव का माहौल तैयार कर दिया। शाम का मुख्य आकर्षण कर्नाटक गायक संदीप नारायण और गायक पृथ्वी गंधर्व की मंत्रमुग्ध कर देने वाली जुगलबंदी थी, जिसने एक मनमोहक संगीत अनुभव प्रदान किया।

प्रसिद्ध संगीतकार और गायक, पद्म श्री शंकर महादेवन ने मंच संभाला और एकदंताय वक्रतुण्डाय और उसके बाद शक्तिशाली शिव तांडव स्त्रोत की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रदर्शन तब अपने चरम पर पहुंच गया जब सद्गुरु और गायक संदीप नारायण एक संयुक्त प्रस्तुति के लिए महादेवन के साथ शामिल हुए। तीनों ने कावेरी पर सद्गुरु द्वारा लिखित गीत कावेरी थाई गाया। कावेरी की स्तुति में यह गाना आधा तमिल में और आधा कन्नड़ में गाया गया।

थालिका प्रोजेक्ट के प्रतिभाशाली सदस्यों ने शाम को एक अनोखा रंग जमाया, जिन्होंने लीक से हटकर अपने प्रदर्शन में असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रोजेक्ट संस्कृति द्वारा माया नामक एक लुभावनी भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति के साथ सांस्कृतिक उत्सव जारी रहा।बाद में, पंजाबी लोक कलाकार गुरदास मान ने अपनी भावपूर्ण धुनों और संक्रामक ऊर्जा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते हुए मंच पर तूफान ला दिया। गुजरात के कच्छ क्षेत्र के एक लोक संगीतकार, मूरलाला मारवाड़ा ने साउंड्स ऑफ ईशा के साथ मंच पर लोक और शास्त्रीय रागों को सहजता से पिरोया।

एक अनूठे प्रयोगात्मक प्रदर्शन में, हिप-हॉप और रैप कलाकार मंच पर आए। धारावी ड्रीम प्रोजेक्ट, रैपर्स पैराडॉक्स तनिष्क सिंह और साउंड्स ऑफ ईशा के साथ एमसी हेम के प्रदर्शन ने देश की संगीत विविधता और समग्र संस्कृति का प्रदर्शन किया। रात भर चलने वाले इस महोत्सव का उद्घाटन शुक्रवार 8 मार्च को देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। उत्सव शुक्रवार शाम 6 बजे शुरू हुआ और शनिवार 9 मार्च सुबह 6 बजे तक चला। प्रस्तुतियों के बीच, सद्गुरु द्वारा निर्देशित ध्यान, ओउम नमः शिवाय का जाप भी किया गया।

उत्सव के लिए काशी थीम

ईशा के महाशिवरात्रि उत्सव के मुख्य स्थल, प्रतिष्ठित 112 फीट की आदियोगी प्रतिमा की सजावट में प्राचीन शहर वाराणसी और उसके राजसी घाटों को दर्शाया गया था। सद्गुरु ने शुक्रवार को अपने ट्वीट में इस साल के समारोह के लिए काशी थीम का खुलासा किया। प्रदर्शन के दौरान भक्तों और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, सद्गुरु ने दुनिया के लिए एक ऊर्जा यंत्र के रूप में काशी के महत्व को रेखांकित किया और कहा, ध्यानलिंग अपने आप में एक काशी है।

इस विशाल आयोजन के लिए हजारों श्रद्धालु ईशा योग केंद्र में एकत्र हुए। इसके अलावा, 72 देशों के 1,900 अंतर्राष्ट्रीय भक्तों और 4,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने मेगा कार्यक्रम में भाग लिया। इस भव्य प्रदर्शन को दुनिया भर में 22 भाषाओं में प्रसारित किया गया और 200 से अधिक टेलीविजन चैनलों और डिजिटल प्लेटफार्मों द्वारा लाइव स्ट्रीम किया गया। पहली बार, इस कार्यक्रम को चुनिंदा मूवी स्क्रीन पर भी दिखाया गया। इस दिव्य अवसर पर, सद्गुरु ने 50 लाख से अधिक रुद्राक्ष मनकों को भी प्रतिष्ठित किया, जिन्हें भक्तों और साधकों को निःशुल्क वितरित किया जाएगा।

मारू प्रजापति समाज ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के पार्क टाउन स्थित रावनियार स्ट्रीट में श्री श्रीयादे भवन में प्रजापत समाज द्वारा समाज के 10वीं, 11वीं और 12वीं के मेधावी बच्चों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में तय कक्षाओं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा प्रथम तीन मेधावी बच्चों को पदाधिकारियों ने ट्रॉफी, मेडल देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में शिवरात्रि पर मारू प्रजापति शिव भक्त मंडल द्वारा भजन संध्या का आयोजन किए जाने के लिए शिव भक्त मंडल के सभी युवाओं का समाज द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डार्विन शर्मा ने किया।

माताजी स्पोर्ट्स क्लुब टीम बनी सीरवी समाज वॉलीबॉल चैंपियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय सीरवी समाज मनली द्वारा प्रायोजित सीरवी समाज का पहला टूर्नामेंट माधावरम स्थित वासुदेव मन्दिर के खेल परिसर में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित इंडियन बैंक मनली के मैनेजर वैभव ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। टूर्नामेंट में सीरवी समाज की 10 टीमों ने भाग लिया एवं प्रत्येक टीम ने 9 लीग मैच खेले। सेमीफ़ाइनल में माताजी स्पोर्ट्स क्लब ने आईजी स्पोर्ट्स क्लब तिरूपति को, सीरवी स्पोर्ट्स क्लब ने आईजी स्पोर्ट्स क्लब चेंगलपेट को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। माताजी स्पोर्ट्स क्लब ने कड़े मुक़ाबले में सीरवी स्पोर्ट्स क्लब व्यासरपाड़ी को हराकर ट्रॉफ़ी पर कब्जा किया। आईजी स्पोर्ट्स क्लब तिरूपति तीसरे व आईजी स्पोर्ट्स क्लब चेंगलपेट चौथे स्थान पर रहा। सुरेश सीरवी को बेस्ट नेटर, चन्द्रराराम को मैन ऑफ़ दि मैच, कानाराम सीरवी को बेस्ट अटैकर,माधुराम को बेस्ट सेंटर, चेनाराम को प्लेयर ऑफ़ दि टूर्नामेंट अवार्ड से नवाज़ा गया। टूर्नामेंट आयोजन के मुख्य सहयोगी नारायणलाल, मांगीलालजी, मोहनलाल, कानाराम, चेनाराम, सुरेश सीरवी का कमेटी ने सम्मान किया। कार्यक्रम में राणाराम पटेल एवं बुद्धाराम का विशेष सहयोग रहा। धन्यवाद ज्ञापन कानाराम सीरवी ने दिया।

पर्यावरण जागरुकता फैलाते हुए बांटी कपड़े की थैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई नॉर्थ टाऊन द्वारा लूणावत परिवार के सहयोग से एमकेएम स्थानक में लगाए गए नेत्र शिविर के करीब 81 जनों को चश्मे दिए गए। साथ ही महिला दिवस के उपलक्ष्य में लेडीज सेन्टर की चेयरपर्सन ललिता सबदडा, सचिव शीतल पीपाड़ा एवं अनेक महिलाओं को कपड़े की थैलियां चेयरमैन दिलखुशराज धोका, सचिव रमेश नाहटा, कोषाध्यक्ष बुधप्रकाश डोसी व सहनिदेशक महावीरचंद सबदडा ने वितरित किए तथा सभी को प्लास्टिक की थैली उपयोग नहीं करने की सलाह दी। चेयरमैन दिलखुशराज धोका ने कहा कि पर्यावरण को साफ रखना और बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी ही नहीं, हमारी आवश्यकता भी है। गवर्निंग काउंसिल सदस्य ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि प्लास्टिक थैलियों से प्रदूषण फैलता है। इसलिए हमेशा बाजार जाते समय कपड़े की थैली लेकर जाएं।

राजस्थानी संघ में हुई असाधारण सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के राजस्थानी संघ की 2024 की असाधारण सभा संघ सभागार में आयोजित हुई जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतमचन्द श्रीश्रीमाल ने सभी का स्वागत किया। श्रीश्रीमाल ने अपने भाषण में संघ की वर्तमान

स्थिति व भविष्य के कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। ऑडिटर संजय शाह ने अपने विचार रखे। सभा का संचालन सचिव विकास जैन ने किया। वर्ष 2023 का आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया गया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष श्रीगोपाल माहेश्वरी, एपेक्स महावीर जैन, शांतिलाल कांटेड, सीताराम कांकानी, रमेशकुमार बाफना, गुलाबचंद मेहता, घीसूलाल हिंगड़ आदि उपस्थित थे। यह जानकारी किशोर जैन ने दी।

सिरकाली में बीजेएस के राज्य स्तरीय सम्मेलन में सेलम शाखा को मिले आठ अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरकाली। शहर में भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) का राज्य स्तरीय एक दिवसीय सम्मेलन में राज्य के विभिन्न शहरों से महिला एवं पुरुष प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीजेएस के संस्थापक शांतिलाल मुथा 'भऊ' ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। बीजेएस तमिलनाडु के प्रमुख रमेश पटावरी ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात बीजेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र लुंकड़, पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल भाई, डायरेक्टर कोमल जैन, सम्मेलन आयोजक ज्ञानचंद आंचलिया, आगामी मनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदूभाई सांखला और संस्थापक शांतिलाल मुथा ने अपने अपने विषयों पर विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में 'बढ़ती समस्याएं, बढ़ती तैयारियां' विषय पर व्यापक चर्चा हुई। सेलम शहर से इस सम्मेलन में चैप्टर के अध्यक्ष अनिल पींचा के नेतृत्व में लगभग 36 सदस्यों ने भाग लिया।

सम्मेलन में विभिन्न कार्यक्रमों के आधार पर विभिन्न शाखाओं के कार्य का मूल्यांकन किया गया तथा

अवार्ड प्रदान किए जाते हैं। इस बार सेलम शाखा को कुल आठ अवार्ड मिले हैं जिनमें प्रवीण बोकड़िया, प्रजीत जैन, ललित बोकड़िया, नवीन जैन और आरती राठौड़ का सराहनीय योगदान रहा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.